2012–13 मौसम की खरीफ फसलों की मूल्य नीति रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

(यद्यपि खरीफ रिपोर्ट के अंतर्गत् मुख्यतया निम्नलिखित फसलें शामिल की जायेगी : (i) **अनाज** : धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी (ii) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द (iii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, तिल्लीबीज (iv) कपास (v) वी एफ सी तम्बाकू, फिर भी आयोग की दिलचस्पी राज्य के संपूर्ण कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी तथ्यों, मामलों और सुझावों में है। अतः प्रश्नावली के उत्तर में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा और राज्य में उगाई जाने वाली अन्य फसलों पर अतिरिक्त सूचना शामिल की जा सकती है।)

भाग – 1 सामान्य

1. कृषि की दशा का विहंगम अवलोकन प्रस्तुत करें, जिसमें हाल के वर्षो में यदि कोई ढॉचागत परिवर्तन हुए हो और सुधारात्मक कदम उठाए गए हों तो वह भी बताएँ। कृपया यह भी सूचित करें कि क्या ये परिवर्तन, यदि कोई हों, केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के किसी नीतिगत पहल के साथ स्पष्ट रूप से जुड़ सकते हैं ?

2. निम्नलिखित के उत्पादन निष्पादन पर एक विश्लेषणात्मगक टिप्पणी प्रस्तुत करें –

(क) विभिन्न व्याख्यात्मक उपयोगी बातों जैसे कि मानसून, वर्षा और इसका स्थानिक/कालिक वितरण तथा राज्य में अन्य मौसम/कृषि संबंधी घटकों को ध्यान में रखते हुए 2011–12 के दौरान आपके राज्य में खरीफ और रबी की फसलें। विगत दो वर्षों के साथ एक तुलना भी स्पष्ट रूप से की जाए।

(ख) 2012–13 के दौरान खरीफ फसलों की संभावनाएँ और रणनीतियॉ।

(ग) राज्य में विभिन्न आदानों, नामतः बीजों (प्रमाणित/संकर/सच्चाई पूर्वक अंकित), उर्वरकों, सिंचाई पानी, कीटनाशियों, कृमिनाशियों और ऋण की आवश्यकताओं और उपलब्धता के बीच वर्तमान अन्तर को दर्शाते हुए एक विवरण प्रस्तुत करें। समस्या के क्षेत्र क्या हैं और इन पर कैसे ध्यान दिया जा रहा है ?

(घ) उपर्युक्त (क), (ख) तथा (ग) पर विनिर्दिष्ट समस्या क्या है तथा इसका पता कैसे लगाया जाए?

3. कृपया आपके राज्य में सिंचाई तथा विभिन्न खरीफ फसलों की अवधि सहित क्षेत्र, उत्पादन, उपज का विवरण निम्नलिखित प्रपत्र में दिया जाए:

क्रम सं0	फसल	2009-10			2010-11			2011-12 (अनुमानित/संभावित)			फसल की औसत अवधि (महीनों में)*	सिंचित प्रतिशत क्षेत्र	अपेक्षित सिंचाई (लगभग)	
		क्षे.	उत्प.	उ0	क्षे.	उत्पा.	उ.	क्षे.	उत्प.	उ0			सिंचाई की संख्या	जल की कुल मात्रा (लीटर में)
1.	धान													
	(क)सामान्य													

	(ख)ग्रेड ए													
2.	ज्वार													
3.	बाजरा													
4.	मक्का													
5.	रागी													
6.	तूर (अरहर)													
7.	मूंग													
8.	उड़द													
9.	मूंगफली छिलका सहित													
10.	सोयाबीन													
	काला													
	पीला													
11.	सूरजमुखी बीज													
12.	तिल													
13.	तिल्लीबीज													
14.	कपास													
15.	वी एफ सी तम्बाकू													

टिप्पणी : क्षे0, उत्प0, उ0 क्रमश क्षेत्र, उत्पादन तथा उपज से संबंधित है।

2. यदि कोई विशेष फसल राज्य में बोई नहीं जाती तो उस पंक्ति में उ0 न0 दर्शाएं।

3. * फसल बोए जाने वाले माह से फसल काटे जाने वाले माह तक

4. 2009–10, 2010–11 तथा 2011–12(अनुमानित/संभावित) के दौरान धान, तूर, सोयाबीन, मूंगफली तथा कपास के क्षेत्र, उत्पादन और उपज का राज्यवार ब्यौरा भी प्रस्तुत करें।

5. राज्य में बोई जाने वाली फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए ठोस उपाएं विनिर्दिष्ट करें।

6. प्रश्न 3 में दिए गए कुल क्षेत्र, उत्पादन और उपज में से कृपया 2009–10, 2010–11 तथा 2011–12(अनुमानित/संभावित) के दौरान संगत उत्पादन और उपज के साथ फसल वार सिंचित क्षेत्र बताएं।

7. राज्य में विभिन्न खरीफ की फसलों की सिंचाई के प्राथमिक स्त्रोत क्या हैं तथा कुल सिंचाई में उठाव तथा प्रवाह सिंचाई का संगत हिस्सा दर्शाएं।

8. पिछले पांच वर्षों के दौरान सिंचाई पर कुल वार्षिक व्यय कितना हुआ।

9. कृपया अपने राज्य में बीज फार्म और बीज गुणन कार्यक्रम की स्थिति बताएँ।

10. कृपया अपने राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण खरीफ फसलों की बीज प्रतिस्थापन्न दरें तथा उपजातीय प्रतिस्थापन्न दरें बताएं।

(प्रतिशत)

फसल	बीज प्रतिस्थापन्न दर			उपजातीय प्रतिस्थापन्न दर		
	2008-09	2009-10	2010-11	2008-09	2009-10	2010-11

ख. यह भी बताएं कि क्या बीज प्रतिस्थापन्न दर अपेक्षित स्तर तक थी, यदि नहीं, तो प्रत्येक जिंस के लिए बीज प्रतिस्थापन्न दर में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

11. कृपया 2009–10, 2010–11 तथा 2011–12(अनुमानित/संभावित) के दौरान एच वाई वी/संकर के अंतर्गत फसलवार क्षेत्र, उत्पादन तथा उपज बताएं।

12. कृपया आपके राज्य में विभिन्न खरीफ फसलों के बीजों (प्रमाणित/उन्नत या अन्य)की कुल मांग बताएं तथा अपेक्षित बीज दर भी बताएं ।इन आवश्यक्ताओं को पूरा करने वाले स्त्रोत का नाम तथा उनका संगत हिस्सा क्या है।

13. कृपया अपने राज्य में बीज प्रमाणन की वर्तमान स्थिति बताएॅ। क्या प्रमाणित बीजों की उपलब्धता पर्याप्त है ? यदि नहीं, तो इस बारें में क्या प्रबन्ध किए गए।

14. आपके राज्य में बीज क्षेत्र से संबंधित मुद्दे क्या हैं?

15. राज्य में हाल ही के वर्षों में उत्पादित खरीफ की उपजातीय परिदृश्य का विवरण देते हुए एक टिप्पणी प्रस्तुत करें। संरचना, पोषण अंश, स्वाद, पेषण गुणवत्ता इत्यादि के आधार पर उपजातीय परिदृश्य उपभोक्ता की वरीयता से किस तरह मेल खाती है।

16. 2011–12 खरीफ मौसम के दौरान क्या कोई जलवायु संबंधी असमान्यता थी? यदि हां तो

(i) क्या प्रतिकूल जलवायु जैसी स्थिति ने आपके राज्य को प्रभावित किया ? यदि हां, तो कितने जिले प्रभावित हुए तथा उनका फसल–वार ब्यौरा।

(ii) कृपया प्रभावित हुई फसलों का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराएं और बताएं कि प्रत्येक फसल को कितनी क्षति हुई।

(iii) ऐसी स्थिति का सामना करने के लिए क्या कोई आकस्मिक खर्च की योजना थी ?

(iv) क्या यह समय पर लागू की गई ? यदि हॉ तो मुख्य घटकों का उल्लेख करें।

(v) इसने खराब जलवायु की स्थिति का सामना करने में प्रभावित किसानों की किस प्रकार मदद की?

(vi) क्या इस संबंध में किसानों को किसी प्रकार की क्षतिपूर्ति दी गई। यदि हां, तो उसका विवरण क्या है।

17 (क) कृपया राज्य की खाद्यान्न मांग और आपूर्ति का वर्णन करें।

(ख) कृपया अपने राज्य के चावल/धान तथा अन्य मौटे अनाजों की प्रति व्यक्ति आवश्यक्ता तथा उपलब्धता का ब्यौरा प्रस्तुत करें।

18. (क) आपके राज्य में फसल विविधीकरण सहित कृषि विविधीकरण कितना हुआ है ? कृपया ऐसी विविधीकृत फसलों के संबंध में राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए, मूल्य निर्धारण, उचित प्रौद्योगिकी, विस्तार, विपणन, मूल्य संवर्धन और अन्य सहायता सेवाओं के रूप में नीतिगत समर्थन का ब्यौरा भी प्रस्तुत करें।

(ख) क्या राज्य ने फसल विविधीकरण के पक्ष और विपक्ष पर कोई अध्ययन कराया है, यदि हां, तो कृपया इस अध्ययन का मुख्य ब्यौरा प्रस्तुत करें।

(ग) पिछले पॉच वर्षों के दौरान चावल और गेहूँ से अन्य फसलों की ओर कितना क्षेत्र बदलाव हुआ हैं या विलोमत ?

19. क. क्या राज्य को विगत पॉच वर्षों में गैर–कृषि प्रयोगों/एसईजेड में परिवर्तित किए जा रहे फसल क्षेत्र का निर्धारण प्राप्त हुआ हैं ? यदि हां, तो विवरण प्रस्तुत करें।

(ख) कृपया कृषि भूमि (सिंचित और गैर सिंचित अलग अलग) के अन्य प्रयोग (आवास, वाणिज्यिक इत्यादि) के लिए विचलन के बारे में पिछले पांच वर्षों के लिए आंकड़े प्रस्तुत करें।

20. क्या खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य ने विभिन्न फसलों के अधीन क्षेत्र कवरेज बदलने के किसानों के निर्णय को किसी तरह प्रभावित किया है। यदि हां, तो विवरण प्रस्तुत करें।

21.क. आपके राज्य में मृदा उर्वरकता की स्थिति क्या हैं ? क्या आपके राज्य में कोई मृदा परीक्षण का कार्यक्रम हैं ? मृदा जांच के परिणामों पर विस्तृत सूचना उपलब्ध कराएं। यदि मृदा जांच प्रबन्ध पर्याप्त नहीं हैं, तो इस बारे में क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

ख. मृदा परीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत क्या किसी कृषि योग्य भूमि का परीक्षण किया जाता है? परीक्षण की मृदा तथा मृदा उर्वरकता को जारी करने के फसलवार प्रतिशतता प्रस्तुत की जाए।

22 क. आपके राज्य में ग्यारवीं योजना एवं इसकी वार्षिक योजना (ब्यौरा), आवंटन और वास्तविक लक्ष्य तथा कार्य योजना के अंतर्गत वृहत् प्रबंधन पद्धति के अधीन क्रियान्वित किए जा रहे कार्यक्रमों सहित अनाजों, दलहन और तिलहन के विकास कार्यक्रम।

ख. कृपया 12वीं योजना के संदर्भ में अनाजों, दलहनों तथा तिलहनों के विकास कार्यक्रमों संबंधी सुझावों एवं प्रस्तावों को दर्शाएं।

23. निम्नलिखित में सुधार के लिए उपायों का संक्षिप्त ब्यौरा दें :–

(क) कृषि में जल प्रयोग क्षमता,
(ख) फार्म जल प्रबंधन,
(ग) जल संभर विकास
(घ) कृषि प्रचालनों का मशीनीकरण
(ड.) उक्त उपायों से अनाज पर विचार।
(च) फसल के बाद प्रबंधन।

24. कृपया जैव–उर्वरकों, कम्पोस्ट तथा हरी खाद के उपयोग कीं प्रवृत्तियॉ बताएँ।

25. क्या राज्य ने दलहन और तिलहन के अंतर्गत क्षेत्रफल में गिरावट का सामना करने के लिए आई पी एम मापदण्ड बनाए हैं ? यदि हॉ, तो इसका ब्यौरा दें।

26. (क) किसानों को विस्तार सेवाएं प्रदान करने के लिए क्या प्रबंध हैं ? इसकी क्षमता और कमी क्या है।

(ख) क्या राज्य ने विस्तारण प्रणाली के प्रभाव पर कोई अध्ययन कराया है। यदि हां तो अध्ययन का ब्यौरा प्रस्तुत करें।

(ग) विस्तारण प्रणाली को मजबूत करने के लिए वर्तमान पहलें क्या है ? विशेष रूप से, कदमों, यदि कोई हों, के बारे में बताएं जो सरकारी निकायों तथा पारम्परिक संस्थानों के बीच अनुपूरकता द्वारा इसे लागू करने तथा कृषि विस्तार को गहरा करने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए हैं।

27. कृषि को एक आकर्षक व्यवसाय बनाने के लिए राज्य का परिप्रेक्ष्य क्या है। कृपया इस व्यवसाय में लगे रहने के लिए किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए की गई पहलों को दर्शाएं।

28. कृपया मांग और आपूर्ति के परिप्रेक्ष्य से कृषि विकास पर त्वरित शहरीकरण के प्रभाव पर अपने तर्क प्रस्तुत करें!

29. राज्य में बोई जाने वाली फसलों की उर्वरकता बढ़ाने के क्रम में ठोस उपायों को विनिर्दिष्ट करें।

30.(क) राज्य में कृषि विपणन प्रणाली में सुधार के लिए क्या कदम उठाए हैं ?

(ख) कृषि विपणन में, विशेषकर एपीएमसी अधिनियम से संबंधित, सुधारों की स्थिति क्या है ?

(ग) क्या कृषि विपणन में निवेश को आकर्षित करने और फसल पश्चात संचलन के लिए विशेष उपाय किए गए है ?

(घ) कृषिगत उत्पादन/उपज के खुदरा व्यापार में एफ डी आई को अनुमत करने के बारें में राज्य के विचार तथा किसानों की आय पर इसके प्रभाव।

(ड़) आपके राज्य में वायदा बाजार की प्रतिक्रिया।

31. कृपया राज्य में संविदा खेती में प्रगति को दर्शाएं और नोडल संगठन (फसल–वार) का नाम बताएं। सरकार द्वारा किसानों के हितों की रक्षा के लिए क्या उपाय किए गए हैं ?

32. कृपया आपके राज्य में प्रचालित विभिन्न कृषि फसल बीमा योजनाओं (सार्वजनिक एवं निजी दोनों) की अद्यतन स्थिति बताएँ, जिसमें फसल/क्षेत्र व्याप्ति, योजना के प्रारंभ से एकत्रित प्रीमियम और अदा की गई क्षतिपूर्ति की विस्तृत सूचना दें।

33.(क) क्या राज्य में राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (एन ए आई एस) प्रचलनाधीन है। यदि हॉ, तो उन फसलों की सूचीबद्व करें जिनके लिए यह प्रचलनाधीन है। इसे और अधिक किसान हितैषी बनाने के लिए एन ए आई एस में सुधार हेतु अपने सुझाव भी दें।

(ख). क्या आपके राज्य में संशोधित राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना प्रचलनाधीन है। यदि हां, तो इसका ब्यौरा प्रस्तुत करें।

34. क्या आपके राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन प्रारंभ किया गया हैं ? यदि हॉ, तो यह कब लागू किया गया, इसके निर्धारित लक्ष्य, इस संबंध में उपलबध प्रगति इत्यादि पर के कृपया ब्यौरें प्रस्तुत करें।

35. क्या हाल ही के वर्षो में आपके राज्य में किसानों द्वारा की गई आत्महत्या का कोई मामला है की गई है। आपके राज्य में इस संबंध में वास्तविकता क्या है ? राहत उपायों के ब्यौरें (सार) दें।

36. (क) कृषि व्यापार उदारीकरण की प्रक्रिया द्वारा आपका राज्य किस तरह प्रभावित हुआ हैं अथवा इसके किस तरह प्रभावित होने की संभावना है ?

(ख) कृषि व्यापार उदारीकरण की चुनौतियों का सामना करने और राज्य की कृषि को और अधिक प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिए किन उपायों पर विचार किया जा रहा है ? विशेष रूप से, राज्य का दृष्टिकोण बताएँ।

(ग) आपके राज्य में व्यापार उदारीकरण के लाभ प्राप्त करने के लिए रणनीति क्या हैं और समर्थन, प्रौद्योगिकी विकास, बुनियादी ढांचा मजबूत करने, सूचना प्रसार, स्वास्थ्य और पादपस्वास्थ्य मानकों इत्यादि के उपाय।

(घ) आपके राज्य में कृषि निर्यात अंचलों की क्या स्थिति हैं ? हैक्टेयरों में क्षेत्र (राज्य के जिला मानचित्र में प्रदर्शित)। इस कारण प्रभावित होने वाली मुख्य फसलों की खेती के अंतर्गत क्षेत्र पर संभावित प्रभाव।

37. क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य के अंतर्गत शामिल फसलों की समर्थन/वाणिज्यिक खरीद के अतिरिक्त, किसी फसल के लिए बाजार हस्तक्षेप योजनाएँ रही है ? यदि ऐसा है तो कृपया उनका विवरण प्रस्तुत करें।

38. क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य सरकार ने किसी फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त किसी बोनस की घोषणा की है ? यदि ऐसा है तो (i) फसल वार बोनस की दरें और (ii) बोनस देने के कारण बताएँ।

39. क्या वर्तमान मौसम (2011–12) के दौरान राज्य सरकार ने किसी खरीफ फसलों की अच्छी औसत किस्म के मानदंडों में छूट की मांग की है और छूट प्राप्त की है तथा उसके कारण बताएं ?

40. कृपया पिछले पांच मौसमों के दौरान आपके राज्य (केन्द्र वार) में विद्यमान न्यूनतम समर्थन मूल्य के अंतर्गत विभिन्न खरीफ फसलों के बाजार मूल्य निम्नलिखित प्रपत्र के आधार पर दर्शाएं।

केन्द्र का नाम_____ **जिंस का नाम**_____

(रू प्रति क्विंटल)

	2007	2008	2009	2010	2011
थोक मूल्य					
बाजार शुल्क					
क्रय कर					
एजेंट/आढतियों का कमीशन					
उपकर					
कोई अन्य प्रभार/आनुषंगिक					
निवल मूल्य (1-2+3+4+5+6)					

41. ऐसा कोई अन्य मुद्दा जिसे राज्य सरकार आयोग के ध्यान में लाना चाहे और जो खरीफ फसलों की मूल्य नीति तैयार करने और गैर–मूल्य सिफारिशें करने में लाभदायक हो।

42. कृपया आगामी 2012–13 खरीफ मौसम में न्यूनतम समर्थन मूल्यों के व्यवहारिक स्तर का सुझाव दें :–

फसल	**2011–12 फसल के लिए सुझाए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य** (रूपये प्रति क्विंटल)	**तर्काधार**
1. धान		
(क) सामान्य		
(ख) ग्रेड क		
2. ज्वार		
3. बाजरा		
4. मक्का		
5. रागी		
6. तूर (अरहर)		
7. मूँग		
8. उड़द		
9. मूंगफली (छिलका सहित)		

10. सोयाबीन
  (क) काला
  (ख) पीला
11. सूरजमुखी बीज
12. तिल
13. तिल्ली बीज
14. कपास
 (क) मध्यम रेशा (एम एम) 24.5–25.5 तथा 4.3–5.1 की माइक्रोनेयर कीमत
 (ख) लम्बा रेशा (एम एम) 29.5–30.5 तथा 3.5–4–3 की माइक्रोनेयर कीमत
 (ग) लम्बा रेशा (एम एम) 32.5 तथा ज्यादा तथा 2.8–4.3 की माइक्रोनेयर कीमत

भाग II : मूल्य समर्थन, अधिप्राप्ति और सार्वजनिक वितरण

1.(क) क्या वर्तमान मौसम के दौरान किसी खरीफ अनाज/दलहन/तिलहन फसलों के प्राथमिक बाजार मूल्य, न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे गिरने जैसे किसानों द्वारा व्यथा में की गई बिक्री के उदाहरण है ? यदि हॉ, तो उसके संभावित कारणों सहित फसल–वार, बाजार–वार, माह–वार विवरण निम्नलिखित प्रपत्र में दें।

मंडी का नाम ..... मद का नाम .....

(रू/क्विंटल)

माह	2009-10		2010-11		2011-12	
	न्यूनतम समर्थन मूल्य	मंडी मूल्य	न्यूनतम समर्थन मूल्य	मंडी मूल्य	न्यूनतम समर्थन मूल्य	मंडी मूल्य
अक्तू0						
नवम्बर						
दिसम्बर						
जन0						
फर0						
मार्च						
अप्रैल						
मई						
जून						
जुलाई						
अगस्त						
सितम्बर						
औसत						

(ख) इन मूल्यों के गिरने के क्या संभावित कारण हैं तथा प्रवृत्ति को रोकने के क्या उपाएं है? कृपया इसमें आगे सुधार के लिए अपने सुझावों से अवगत कराएं।

(ग) न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे बेचे गए उत्पाद एफएक्यू विनिर्देशन मानदंड को पूरा कर रहे थे या नहीं तथा मूल्यों की कुल मात्रा बताएं।

2. कृपया 2009–10, 2010–11 और 2011–12 मौसम के दौरान आपके राज्य में धान/चावल/मोटे अनाजों के बाजार आमद में प्रवृत्तियॉ और अधिप्राप्त की गई मात्रा (एजेन्सी–वार) बताएं।

(क्विंटल में)

माह	2010-11					2011-12				
	उत्पादन	मंडी आगमन	अधिप्राप्त	उत्पादन के प्रतिशत के रूप में अधिप्राप्ति	मंडी आगमन के प्रतिशत के रूप में अधिप्राप्ति	उत्पादन	मंडी आगमन	अधिप्राप्ति	उत्पादन के प्रतिशत के रूप में अधिप्राप्ति	मंडी आगमन के प्रतिशत के रूप में अधिप्राप्ति
अक्तू0										
नवम्बर										
दिसम्बर										
जन0										
फर0										
मार्च										
अप्रैल										
मई										
जून										
जुलाई										
अगस्त										
सितम्बर										

ख. इस अवधि के दौरान भारतीय खाद्य निगम, राज्य सरकार तथा अन्य प्राधिकृत अभिकरणों जैसे विभिन्न अभिकरणों द्वारा कुल अधिप्राप्ति का ब्योरा दें।

ग. इसी अवधि के दोरान यूनिट मूल्य के साथ मिल तथा निजी व्यापारियों के द्वारा धान/गेहूं की खरीद का अनुमान भी बताएं।

घ. क्या सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी माडल के अंतर्गत निजी क्षेत्र अधिप्रापण के लिए प्राधिकृत/प्रोत्साहित हैं। यदि हां, तो विवरण दीजिए। यदि नहीं, तो, इसके कारण/आधार दर्शाएं।

3. कृपया 2009–10, 2010–11 तथा 2011–12 के दौरान राज्य में फसलवार न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रचालन के लिए किए गए प्रबंध, अधिप्रापण मात्रा के लिए किए गए निपटान तथा यूनिट मूल्यों के प्रापण का ब्यौरा प्रस्तुत करें।

4. क. चालू मौसम के दौरान आपके राज्य में कितने क्रय केन्द्र खोले गए? एजेंसी वार केन्द्र बताएं। राज्य की विभिन्न मंडियों में समर्थन मूल्यों को बनाएं रखने में इन एजेंसियों द्वारा हस्तक्षेप के क्या परिमाण हैं।

ख. भारण, अभारण प्रभारों जैसे संघटकों के लिए लागत को दर्शाते हुए प्रति क्विंटल अधिप्राप्ति की लागत दर्शाएं।

5. क. आपके राज्य में मूल्य कटौती के साथ या अलग एफएक्यू विनिर्देशन में छूट का ब्योरा दें।

ख एफएक्यू विनिर्देशन के बारे में किसानों में जागरूकता लाने के लिए आपके राज्य ने क्या कदम उठाएं हैं?

6. क्या आपके राज्य में लेवी प्रणाली लागू है या समाप्त कर दी गई है? इस संबंध में नवीनतम स्थिति क्या है तथा इस संबंध में जारी अधिसूचना की एक प्रति, यदि कोई हो, संलग्न करें।

7. क्या अधिप्रापण मदों के लिए भुगतान सीधे किसानों को किया जाता है अथवा कमीशन एजेन्ट द्वारा? कृपया भुगतान की प्रणाली का विवरण दें तथा भुगतान देने में लगने वाले समय के बारे में भी उल्लेख करें।

8.(क) कृषि जिंसों के अन्तर–राज्य संचलन पर प्रतिबंध लगाने/ हटाने की स्थिति और स्टॉक सीमाएँ क्या है ? क्या आपकी सरकार कृषि जिंसो पर प्रवेश कर लगाती है ? कृपया प्रत्येक मद पर प्रवेश शुल्क की दर, यदि कोई हो, दर्शाएं।

(ख) क्या आपके राज्य की मण्डियों में अन्य राज्यों से लाकर खाद्यान्नों के बेचने के उदाहरण हैं ? यदि हॉ, तो इसकी मात्रा और इसके कारण बताएँ।

9. कृपया राज्य में धान(चावल)/मोटे अनाज/दलहन और तिलहन के लिए फसल–वार फसलोत्तर नुकसान का मूल्यांकन प्रस्तुत करें। ऐसे नुकसानों को कम करने के लिए उठाए गए कदम और विगत 3 वर्षों में नुकसान को किस सीमा तक कम किया गया है।

10. 2010–11 और 2011–12 के दौरान एफसीआई तथा इसकी एजेन्सियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य के अंतर्गत की गई दालों की (नाम से) खरीद तथा वाणिज्यिक खरीद की मात्रा तथा मूल्य और उनके निपटान का तरीका बताएँ।

11. पिछले पॉच वित्तीय वर्षों के दौरान, आपके राज्य में संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना सहित बी पी एल, ए पी एल, अतिरिक्त और अन्य कल्याणकारी/राहत/रोजगार उत्पत्ति योजनाओं के अंतर्गत् केन्द्रीय पूल से चावल/गेहूँ /मोटे अनाजों का आवंटन और कुल खरीद का ब्यौरा दें। कृपया चालू वर्ष में खाद्यान्नों के न उठाने के कारण/उठाने की प्रवृत्ति और खाद्यान्न का आबंटन भी बताएँ।

12. आपके राज्य में अनाजों के वितरण की निश्चयमात्रा बताएं। पिछले पांच वर्षों के दौरान योजना वार खाद्यान्न वितरण प्रणाली के कार्य पर समीक्षा प्रस्तुत करें तथा बड़े अंतर के कारणों, यदि कोई हो, का उल्लेख करें जो आपके राज्य में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल खरीद और आवंटन के बीच निर्गम से संबंधित हो।

13. क्या खाद्यानों के प्रतिस्थापन्न वितरण के स्थान पर सशर्त नकद अंतरण करने के लिए कोई योजना/प्रस्ताव है?

14. राज्य में टीपीडीएस के अंतर्गत वितरित चावल/गेहूं के मूल्य क्या हैं? कृपया बताएं कि इन्हें कब से प्रभाव में लाया जाएगा।

15. सुक्ष्म खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का क्या प्रभाव रहा है?

16. पिछले पांच वर्षों के दौरान कम से कम 5 केन्द्रों के आपके राज्य में चुनिंदा ग्रामीण और शहरी केन्द्रों में धान/चावल/गेहूँ /मोटे अनाजों/दालों (पूर्ण और विखंडित)/तिलहनों के माह–वार थोक मूल्य (रू0/क्विं) और खुदरा मूल्य (रू0/किलोग्राम), निम्नलिखित प्रपत्र में बताएँ।

मंडी का नाम ..... मद का नाम .....

माह	थोक मूल्य (रू/क्विं.)					खुदरा मूल्य (रू/कि.ग्रा.)				
	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
अक्तूबर										
नवम्बर										
दिसम्बर										
जनवरी										
फरवरी										
मार्च										
अप्रैल										
मई										
जून										
जुलाई										
अगस्त										
सितम्बर										
औसत										

17. न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति के कार्यान्वयन में कठिनाइयां, यदि कोई हो, तथा इन्हें दूर करने के लिए की गई कार्रवाई का उल्लेख करें।

18 क. निम्नलिखित प्रपत्र के आधार पर अनाजों की भंडारण सुविधाओं का विवरण प्रस्तुत करें।

(क्विंटल में)

सरकारी/अन्य एजेंसी द्वारा भंडारण		2009	2010	2011
केन्द्रीय सरकार	ढका हुआ			
	खुला			
राज्य सरकार	ढका हुआ			

	खुला			
अन्य एजेंसी	ढका हुआ			
	खुला			
उपलब्ध कुल भंडारण	ढका हुआ			
	खुला			
सकल योग				

ख. क्या भंडारण बाध्यता अधिप्राप्ति प्रचालन में कोई कमी है? यदि हां, तो केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा भंडारण सुविधाओं को उन्नत करने में उठाए गए कदमों को दर्शाए।

ग. क्या सार्वजनिक और निजी भागीदारी के अंतर्गत उपलब्ध भंडारण क्षमता के लिए सम्बद्ध हैं।

19. प्रस्तावित खाद्य सुरक्षा विधेयक आने के संबंध में राज्य की पूरी अपेक्षाओं को प्राप्त करने में खाद्यान्न की संभावित जरूरतें, उसकी उपलब्धता तथा तैयारी का ब्यौरा प्रस्तुत करें। क्या अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य में इसके संगठन वितरण पर्याप्त हैं।

20. राज्य में नियमित बाजारों/अहातों में क्रेता/विक्रेता द्वारा देय करों/उपकरों/कमीशन का वर्तमान स्तर बताएँ। निम्नलिखित प्रपत्र में उत्पाद की प्रति इकाई दर के साथ प्रभावी तारीखें भी बताएँ।

(रू0 में)

मद	तारीख	चावल	मोटे अनाज	तिलहन	दालें	कपास
बाजार/मण्डी शुल्क						
खरीद कर						
आढ़तियों/कमीशन एजेन्ट के लिए कमीशन						
विकास/ग्रामीण विकास उपकर						
अन्य प्रभार						

21. राज्य सरकार द्वारा आयोग के ध्यान में लाए जाने वाला कोई अन्य बिन्दु जो खरीफ फसलों की मूल्य नीति को तैयार करने तथा गैर मूल्य सिफारिशों में सहायक हो सके।

भाग III : कच्चा कपास

1. क. कृपया राज्य में पिछले पॉच वर्षो के दौरान विभिन्न रेशा समूहों में कपास की महत्वपूर्ण किस्मों का क्षेत्र, उत्पादन और उपज तथा 2012–13 मौसम के लिए लक्ष्य बताएँ।

ख. इन वर्षों में क्षेत्र, उत्पादन और उपज बढ़ाने/घटाने पर आपके अवलोकन क्या हैं?

2. कृपया निम्नलिखित अनुसार आपके राज्य में उगाई गई कपास का श्रेणी–वार/ किस्म वार ब्यौरा प्रस्तुत करें तथा विशेषरूप से नीचे दिए अनुसार कपास की दो श्रेणियों हेतुः–

(i) रेशा लम्बाई 24.5 मि0मी0 –25.5 मि0मी0, माइक्रोनियर वैल्यू 4.3–5.1,

(ii) रेशा लम्बाई 29.5 मि0मी0 –30.5 मि0मी0, माइक्रोनियर वैल्यू 3.5–4.3,

(iii) रेशा (एम एम) 32.5 लम्बा तथा ज्यादा तथा 2.8–4.3 की माइक्रोनेयर कीमत।

(iv) राज्य में उगाई गई कपास की अन्य श्रेणियों को भी दर्शाएं जिसमें लम्बे रेशे तथा प्रत्येक श्रेणी/किस्म का विशेष रूप से उल्लेख हो।

3.(क) कृपया पिछले मौसम की तुलना में वर्तमान मौसम के दौरान मौसम परिस्थितियों और कपास फसल पर पड़ने वाले इसके प्रभावों का उल्लेख करें ?

(ख) क्या आपके राज्य में हाल की सूखे/अत्यधिक वर्षा जैसी स्थिति ने कपास खेती को प्रभावित किया है ? यदि ऐसा हैं, तो कितने जिले प्रभावित हुए, उनका ब्यौरा दें। किसानों को दी गई प्रतिपूर्ति, यदि कोई हो, भी दर्शाएं।

4. कृपया वर्तमान मौसम के दौरान कपास के संबंध में महामारी/बीमारी की स्थिति भी बताएँ और नुकसान की सीमा, यदि कोई है, और समस्या से लड़ने के लिए किए गए उपाय बताएँ। उचित विस्तार सेवाओं के द्वारा किस सीमा तक नुकसानों को नियंत्रित किया जा रहा है।

5.(क) क्षेत्र व्याप्ति, उपज, उत्पादन प्रतिस्पर्द्वात्मकता, कीट घटना में कमी, कीटनाशियों के कम प्रयोग और किसानों की प्रतिक्रिया के रूप में आपके राज्य में जी एम किस्मों/ बी टी कपास के निष्पादन का मूल्यांकन प्रस्तुत करें।

(ख) क्या राज्य में बी टी कपास के प्रवेश का सही रूप में पर्यवेक्षण किया गया ?

(ग) क्या बी टी कपास ने गुणवत्ता, रेशा लम्बाई में वृद्धि और बाजार मूल्यों के रूप में बेहतर प्रदर्शन किया, कृपया बताएँ।

(घ) यदि इसे अभी तक शुरू नहीं किया गया तो आपके राज्य में इसके क्या आसार हैं।

6. (क) कृपया कपास प्रौद्योगिकी मिशन के चार मिनी मिशनों के अंतर्गत शामिल कार्यक्रमों सहित विभिन्न कपास विकास कार्यक्रमों का अद्यतन ब्यौरा दें।

(ख) राज्य में कपास बीजों की बहुलता और किस्मों की मिलावट को कम करने, या दूर करने के लिए उठाए गए कदम और उनके परिणाम बताएँ।

(ग) गुणवता बढ़ाने के लिए क्या राज्य सरकार, फसल के बाद कपास की उपजातीय शुद्वता में सुधार करने के लिए कोई प्रयास कर रही है ?

(घ) क्या राज्य सरकार के पास वस्त्र व्यापार उदारीकरण के अवसरों के उपयोग के प्रति अपने कपास उत्पादन को अभिमुख करने की कोई योजना हैं ?

7. क्या आपके राज्य में कपास की अनुबंध खेती शुरू करने के लिए कोई कदम उठाए गए है ? यदि हॉ तो उस पर एक स्थिति टिप्पणी प्रस्तुत करें।

8. क्या वर्तमान मौसम में राज्य में किसी भी किस्म की कपास के मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे गिरे है ? यदि हॉ तो बताएँ – (क) बाजारों के नाम (ख) अवधि, जिसमें मूल्य, न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे गिरे (ग) उनके संभावित कारण (घ) कपास उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए की गई कार्रवाई (ड.) राज्य में भारतीय कपास निगम, नेफेड और राज्य की अन्य एजेन्सियों एवं सहकारी समितियों द्वारा या उनकी ओर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी गई कपास की मात्रा और बाजार की कुल आमद में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी गई कपास का प्रतिशत।

9. 2009–10, 2010–11 और 2011–12 मौसमों के दौरान राज्य में भारतीय कपास निगम और अन्य राज्य की एजेंसियों तथा सहकारी समितियों द्वारा विभिन्न किस्मों की 'कपास' की वाणिज्यिक खरीद तथा उनके प्रदत्त मूल्य बताएँ। राज्य में प्रचलित प्रत्येक एजेंसी के कार्य निष्पादन पर टिप्पणियॉ और उनके कार्य में सुधार के लिए अपने सुझाव दें।

10. मूल्य सहायता योजना (पी एस एस)/वाणिज्यिक के अंतर्गत कच्चा कपास खरीदते समय, क्या अधिप्राप्ति अभिकरण (सी सी आई, नेफेड और उनके अभिकरण) नमी वाले अंश अर्थात् 12 प्रतिशत की अधिकतम स्वीकार्य सीमा तथा अतिरिक्त रेशा लम्बाई के लिए 2.8 माइक्रोनेयर कीमत के न्यूनतम स्वीकार्य तथा एफ ए क्यू मापदंड की ग्रेडिंग के लिए कपास की दूसरी किस्मों की विनिर्दिष्ट कीमत आदि कपास के एफ ए क्यू मापदडों को घोषित करती है।

11.क. कृपया पिछले पांच कपास मौसमों के दौरान राज्य के महत्वपूर्ण बाजारों में कपास और रूई (किस्म/रेशा लम्बाई का उल्लेख करें) के माहवार थोक मूल्य बताएँ।

मंडी का नाम _____ (किस्म/रेशे की लम्बाई का उल्लेख करें----------)

(|रू/क्विं0)

माह	थोक मूल्य				
	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
अक्तूबर					
नवम्बर					
दिसम्बर					

जनवरी					
फरवरी					
मार्च					
अप्रैल					
मई					
जून					
जुलाई					
अगस्त					
सितम्बर					
औसत					

ख. कपास पर मुक्त किए जा रहे विभिन्न केन्द्रीय/राज्य कर, विपणन शुल्क इत्यादि क्या हैं । कृपया सूचना निम्नलिखित प्रपत्र में प्रस्तुत करें:

(रू./क्विं0)

मौसम	वर्ष	किसानों को प्रदत्त मूल्य	विपणन शुल्क	थोक/एजेंट कमीशन	कर	कोई अन्य आनुषंगीक	थोक मूल्य (3+4+5+6+7)
1	2	3	4	5	6	7	8
	2007-08						
	2008-09						
	2009-10						
	2010-11						
	2011-12						

ग. इस समयावधि के दौरान इन मदों के अंतर्राष्ट्रीय मूल्य भी प्रदान किए जाएं।

12. राज्य में ओटाई और निपीडन सुविधाओं तथा नए विपणन अहातों की स्थापना की स्थिति पर एक टिप्पणी दें जिसमें स्पष्ट किया जाए कि कपास प्रौद्योगिकी मिशन की योजनाओं के अंतर्गत किस प्रकार सुधार हुए है ?

13. कृपया फार्मों और निकटतम मण्डी/बाजार के बीच मॉडल औसत दूरी बताएं; कवर औसत दूरी में गांव से बाहर स्थापित मण्डियों सहित।

14. (क).कृपया किसानों द्वारा अपने उत्पाद विक्रय करने में निकटतम मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों तक उठाए गए प्रति क्विंटल/प्रति किलोमीटर, फसल–वार, औसत परिवहन लागत बताएं।

(ख) कृपया मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों में अपने उत्पाद विक्रय करते समय किसान द्वारा प्रदत्त, विपणन प्रभार प्रति क्विंटल, फसल वार, बताएं।

15.(क). कृपया कपास (कॉटन) के लिए आपके राज्य में संचालित की जा रही फसल बीमा योजना पर किसान द्वारा प्रति हैक्टेयर वहन की जा रही बीमा प्रीमियम पर व्यय बताएं।

(ख) क्या ऋणी किसानों के लिए फसल बीमा अनिवार्य है ? क्या गैर–ऋणी किसान भी योजना में शामिल है ?

(ग) क्या फसल बीमा योजना उन किसानों तक विस्तार की गई है जो स्वामी कृषक नहीं है परन्तु उन्होनें खेती प्रयोजन के लिए भूमि पट्टे पर ली है।

(घ) क्या किसान प्राकृतिक आपदाओं/पेस्ट हमलों इत्यादि से होने वाले दोनों फसल और आय के नुकसान के विरूद्ध अपनी फसल का बीमा कराने में समस्याओं का सामना करते हैं।

(ड.) क्या बीमा कवरेज किसान विशिष्ट है, और यदि नहीं, तो प्रचलित बीमा योजना के अंतर्गत उत्पादन नुकसान को शामिल करने में क्या प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

(च) क्या बीमा योजना किसानों की सभी श्रेणियों या विशिष्ट श्रेणी को कवर करती है, ब्यौरा दें।

(छ) राज्य में किसानों के बीच फसल बीमा के फेलाव का स्तर।

(ज) फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन में मुद्दे, यदि कोई हों, बताएं।

16. कोई ऐसी सूचना या विषय जिसे राज्य, आयोग को बताना चाहे और जो कच्चे कपास की मूल्य नीति के निर्माण में उपयोगी सिद्व हो सके।

भाग IV : आदान मूल्य

1. कृपया विस्तृत कार्यप्रणाली सहित पिछले पॉच वर्षों के लिए लागत के विभिन्न घटकों का पूर्ण ब्यौरा देते हुए विभिन्न खरीफ फसलों हेतु तैयार किए गए खेती/उत्पादन लागत पर श्रृंखलाबद्ध ऑकड़े उपलब्ध कराए। 2012–13 के लिए लागत अनुमान भी प्रस्तुत किये जाए।

2. (क) कृपया प्रभावी तिथियों सहित कृषि श्रम की प्रचालन–वार सांविधिक न्यूनतम मजदूरी दरों (रू0/मानव दिवस) का ब्यौरा दें :–

प्रचालन/वर्ष	2010–11	2011–12	2012–13 (संभावित)
जुताई			
बुआई			
प्रतिरोपण			
निराई			
कटाई			
अन्य			

(ख) कृपया राज्य के प्रमुख क्षेत्रों में कृषि श्रम के लिए प्रचालन–वार वास्तविक मजदूरी दरों (रू0/मानव दिवस) का विवरण दें :–

क्षेत्र का नाम	प्रचालन	2010–11	2011–12	2012–13 (संभावित)
	जुताई			
	बुआई			
	प्रतिरोपण			
	निराई			
	कटाई			
	अन्य			
	राज्य औसत (सभी क्षेत्र)			

(ग). राज्य में न्यूनतम मजदूरी अधिनियम को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे है ?

(घ). क्या यह एक तथ्य है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप कृषि मौसम के किसी चरण के दौरान फार्म श्रम उपलब्धता में समस्या आती है ? यदि ऐसा है, तो कृपया ब्यौरा दें।

(ड.) कृपया वर्ष 2011–12 के लिए, और विभिन्न फसलों हेतु राज्य के प्रमुख क्षेत्रों में कृषि मजदूरी और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत मजदूरी के बीच समग्र अन्तरों पर सूचना दें।

3. चालू वर्ष के लिये निम्नलिखित ब्यौरा दें : (क) सिंचाई के लिये प्रति इकाई बिजली की आपूर्ति लागत (ख) सिंचाई के लिये प्रयुक्त बिजली की प्रति इकाई प्रभार दर (ग) सिंचाई उद्देश्य के लिये विक्रय की कुल मात्रा (घ) इस कार्य के लिए दी गई बजट सब्सिडी की राशि (च) किसानों द्वारा इसकी प्रचालनात्मक मांग की शीर्ष अवधि के दौरान बिजली की उपलब्ध आपूर्ति के प्रति दिन घण्टों की औसत संख्या बताएं।

4. कृपया अप्रैल, 2004 से लागू हुए कृषि/सिचांई प्रयोजन हेतु बिजली के औसत टैरिफ/प्रभारों (प्रति कि0वा0) का ब्यौरा दें। संशोधन, यदि कोई हों, सूचित करें (प्रभावी तारीख सहित)।

विवरण	पूर्व संशोधत दरें	संशोधित दरें	संशोधन की तारीख

5. आपके राज्य में नहर सिंचाई दरों (प्रति हैक्टेयर) में नवीनतम संशोधन कब किया गया ? फसल–वार विवरण निम्न प्रारूप में दें:

विवरण	पूर्व संशोधत दरें	संशोधित दरें	संशोधन की तारीख

6. राज्य में सिंचाई के मुख्य स्रोत क्या है और विभिन्न खरीफ फसलों के लिए कुल सिंचाई में लिफ्ट और प्रवाही सिंचाई का आनुपातिक हिस्सा क्या है ?

7. खरीफ फसलों के लिए सिचांई (फसल वार) पर कुल सिंचाई में नहर सिंचाई का हिस्सा दर्शाएं तथा किसानों को नहर सिंचाई प्रभार पर छूट तथा प्रति हैक्टेयर तथा फसलवार नहर जल की आपूर्ति की लागत के बीच अंतर बताएं।

8. पिछले 5 वर्षों के दौरान विभिन्न खरीफ फसलों के लिए सिंचाई (प्रति हैक्टेयर) पर कुल व्यय दर्शाएं।

9. कृपया निम्नलिखित तालिका में विभिन्न खरीफ फसलों के लिए सिंचाई पर हुए खर्च (प्रति हैक्टेयर) को सिंचाई के विभिन्न साधनों/स्रोत के अनुसार दर्शाएँ:

साधन/स्रोत	2010–11	2011–12	2012–13 (संभावित)
प्रवाह–			
नहर			
अन्य			
लिफ्ट–प्रयोग			
बिजली,			
डीजल और लुब्रीकैंटस			
हस्तचालित			

10. (क) कृपया, 2010–11 और 2011–12 के दौरान खरीफ फसलों के लिए बिजली और डीजल तेल की (प्रति हैक्टर) फसल वार और 2012–13 के लिए संभावित खपत बताएँ।

(ख) कृपया 2010–11, 2011–12 और 2012–13 (संभावित) के दौरान बिजली और डीजल तेल की खपत (फसल–वार, प्रति हैक्टेयर) बताएँ।

(ग) क्या 2010–11, 2011–12 के लिए बिजली और डीजल तेल की बिक्री पर कोई सब्सिडी है।

11. फार्म मशीनरी परिचालन की प्रति दिन/प्रति घंटा लागत क्या है जैसे कि :–

(क) ट्रैक्टर/कटाई मशीन तथा सिंचाई के लिए प्रयुक्त पम्पसैट और

(ख) अन्य प्रयोजन हेतु उनके प्रचालन के लिए जरूरी महत्वपूर्ण आदानों (डीजल, लुब्रीकैंट्स, मरम्मत/रखरखाव प्रभाव इत्यादि) का सापेक्ष हिस्सा।

12. कृपया, राज्य बीज निगम द्वारा सप्लाई किए गए प्रमाणित/उन्नत बीजों के मूल्यों (रू0/प्रति किलोग्राम) का विवरण दें :–

	2010–11	2011–12	2012–13 (संभावित)

1. धान
2. ज्वार
3. बाजरा
4. मक्का
5. रागी
6. तूर
7. मूँग
8. उड़द
9. मूंगफली
10. सोयाबीन
11. सूरजमुखी
12. तिल
13. तिल्ली बीज
14. कपास (किस्म वार)
15. वी एफ सी तम्बाकू

---

13. कृपया उपर्युक्त अवधि के लिए खरीफ फसलों हेतु स्थानीय रूप में उत्पादित बीजों और टी एल बीजों के प्रचलित मूल्यों का ब्यौरा दें। इन मूल्यों में प्रमाणित/उन्नत बीजों की तुलना में कितना अंतर हैं ?

14. कृपया अपने राज्य में विभिन्न खरीफ फसलों के बीजों (प्रमाणित/उन्नत या अन्य) की कुल आवश्यकता बताएँ और अपेक्षित ऑकड़ों तक पहुँचने के लिए प्रयुक्त बीज दर बताएँ। उन स्रोतों के नाम बताएँ जिनसे ऐसी आवश्यकताएँ पूरी की जाती है तथा उनका सापेक्ष हिस्सा बताएँ।

15. खरीफ फसलों के लिए फसलवार बीजों के उपभोग का प्रति हैक्टेयर स्तर बताएं तथा फसलवार दर(रू. प्रति किलोग्राम) जिस पर बीज बेचे जा रहे हैं भी बताएं। 2010–11 तथा 2011–12 के लिए प्रति कि0 ग्रा0 बीज पर फसलवार कोई सब्सिडी है।

16. कृपया 2010–11 और 2011–12 के दौरान पॉच प्रमुख कीटनाशकों/ कृमिनाशकों/खरपतवार नाशकों के खुदरा मूल्य (रू/प्रति किलोग्राम) तथा 2012–13 के दौरान उनकी संभावित खपत बताएँ।

17. कृपया, 2010–11 और 2011–12 के दौरान विभिन्न खरीफ फसलों के लिए कीटनाशक/कृमिनाशक की संभावित खपत और 2012–13 के दौरान उनके संभावित स्तर बताएँ।

18. कृपया, 2010–11 और 2011–12 के दौरान विभिन्न खरीफ फसलों के लिए पशु खाद और आर्गेनिक खाद की खपत का प्रति हैक्टेयर स्तर और 2012–13 के दौरान संभावित स्तर सूचित करें। सदृश अवधि के लिए दोनों प्रकार के खादों का मूल्य भी बताएँ।

19 कृपया, 2009–10 और 2010–11 के दौरान अपने राज्य में सामान्य रूप से प्रयुक्त होने वाले पशु दाने और चारे के मूल्य बताएँ और 2011–12 के लिए उनके संभावित स्तर बताएँ।

20. कृपया पिछले पॉच वर्षो के दौरान बैलों (प्रति जोड़ा–दिवस), मशीनरी(प्रति घण्टा) जैसे कि ट्रैक्टर/कटाई यंत्र/ थ्रेशर को किराये पर लेने की दरें बतायें।

21. कृपया चारा, पशुदाना और मानव श्रम जैसे आदानों के सापेक्ष हिस्से के बारें में ब्यौरा दें जो कुल बैल श्रम लागत बनाते हैं।

22. कृपया 2010–11 और 2011–12 के दौरान यूरिया, फॉस्फेट्रिक और पौटेशिक उर्वरक के खुदरा मूल्य और 2012–13 के दौरान उनके संभावित स्तर बतायें।

23. 2010–11 और 2011–12 के लिए यूरिया, फास्फेट, डीएपी इत्यादि विभिन्न प्रकार के उर्वरकों पर किसानों को उनकी बिक्री पर सब्सिडी की राशि दर्शाएं।

24.क. कृपया, 2008–09, 2009–10, 2010–11 तथा 2011–12 के दौरान विभिन्न खरीफ फसलों के लिये एन पी एंड के पोषकों की प्रति हैक्टेयर खपत बताएँ।

ख. कृपया 2011–12 खरीफ मौसम के दौरान पोषकों के मूल्य परिवर्तन का, उनके खपत पैटर्न पर पड़ने वाला प्रभाव तथा 2012–13 के दौरान उनका संभावित प्रभाव। विशेष रूप से, क्या सर्वोत्तम एन पी के संतुलन से मुख्य परिवर्तन की कोई रिपोर्ट आपके ध्यान में लाई गई है ? यदि हॉ, तो क्या उपचारी उपाय किए जा रहे है ?

25. क्या 2010–11 तथा 2011–12 खरीफ मौसम के दौरान उर्वरक की कुल खरीद राज्य की आशा के अनुरूप थी ? खपत में कमी, यदि कोई हो, के लिये जिम्मेदार कारण बताएँ।

26. (क) आपके राज्य में कृषि ऋण की आवश्यकताओं का कितना हिस्सा, संस्थागत स्रोतों से पूरा किया जाता है ?

(ख) कृषि ऋण का कुल संववितरण (स्रोत–वार) कितना हुआ है तथा इन ऋणों के लिए ब्याज दर (स्रोतों तथा उद्देश्य के अनुसार) क्या थी ?

(ग) गैर–संस्थागत/ संस्थागत स्रोतों से कृषि ऋण (फसल ऋण और अन्य) के लिए ब्याज की प्रचलित दरें क्या थी ?

(घ) कृपया ऋण प्राप्त करने में विशिष्ट समस्याएँ बताएँ और उन्हें दूर करने के लिए सुझाव दें।

(ड.) कृपया किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति बताएँ।

27. कृपया पिछले पॉच वर्षो के दौरान, एजेंसियों से बकाया/पुराने कृषि ऋणों के ब्यौरें दें। ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने जैसे कि फसल ऋण स्थगन, ब्याज का हटाने इत्यादि में ऋण वितरण तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव दें।

28. क्या राज्य सरकार, केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत् दी गई आर्थिक सहायता के अतिरिक्त, कृषि आदानों पर आर्थिक सहायता प्रदान करती है ? यदि हॉ, कृपया उसका विवरण दें।

29. क्या राज्य में भूमि पर किराए की कोई अधिकतम/न्यूनतम सीमाएॅ विनिर्दिष्ट है ? क्या ये फसल–विशिष्ट है ? कृपया विवरण दें, यदि कोई हों।

30. कृषि भूमि (दोनों पट्टे पर ली हुई और निजी) की भूमि किराया कीमत कैसे लगाई जाती है ? या क्या किराया कृषि प्रयोजन के लिए भूमि की मांग और आपूर्ति का एक प्रकार्य है ?

31. कृपया फार्मों और निकटतम मण्डी/बाजार के बीच मॉडल औसत दूरी बताएं, शामिल औसत दूरी में गांव से बाहर स्थित मण्डियों सहित।

32. क. कृपया किसानों द्वारा अपने उत्पाद विक्रय करने में निकटतम मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों तक उठाए गए प्रति क्विंटल/प्रति किलोमीटर, फसल–वार, औसत परिवहन लागत बताएं।

ख. कृपया मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों में अपने उत्पाद विक्रय करते समय किसान द्वारा प्रदत्त, विपणन प्रभार प्रति क्विंटल –फसल वार बताएं।

33.क. कृपया आपके राज्य में संचालित की जा रही फसल बीमा योजना पर किसान द्वारा प्रति हैक्टेयर वहन की जा रही बीमा प्रीमियम पर व्यय बताएं।

ख. क्या ऋणी किसानों के लिए फसल बीमा अनिवार्य है ? क्या गैर–ऋणी किसान भी योजना में शामिल है ?

ग. क्या फसल बीमा योजना उन किसानों तक विस्तार की गई है जो स्वामी कृषक नहीं है परन्तु उन्होनें खेती प्रयोजन के लिए भूमि पट्टे पर ली है।

घ. क्या किसान प्राकृतिक आपदाओं/पेस्ट हमलों इत्यादि से होने वाले दोनों फसल और आय के नुकसान के विरूद्व अपनी फसल का बीमा कराने में समस्याओं का सामना करते हैं।

ड. क्या बीमा कवरेज किसान विशिष्ट है, और यदि नहीं, तो प्रचलित बीमा योजना के अंतर्गत उत्पादन नुकसान को शामिल करने में क्या प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

च. क्या बीमा योजना किसानों की सभी श्रेणियों या विशिष्ट श्रेणी को कवर करती है, ब्यौरा दें।

छ. राज्य में किसानों के बीच फसल बीमा के फेलाव का स्तर।

ज. फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन में मुद्दे यदि कोई हो बताएं।

34. क्या उत्पाद के गुणवत्ता पहलू पर मूल्य निर्धारित करने के लिए कोई प्रणाली/प्रबन्ध है ? यदि ऐसा हैं, तो फसल वार इसके ब्यौरे दें। यदि नहीं हैं, तो इसके कार्यान्वयन के लिए आपके सुझाव क्या हैं ?

35. कृपया 2009–10, 2010–11 तथा 2011–12 वर्षों के लिए जिंसवार खरीफ फसलों के संबंध में देखभाल प्रभार तथा अन्य प्रभार, यदि कोई हो, सहित फार्म द्वार/ या नजदीक मंडी से पत्तन तक निर्यात की प्रति क्विंटल लागत दर्शाएं।

36. राज्य सरकार द्वारा ध्यान में लाए जाने वाला कोई अन्य बिन्दु जो खरीफ फसलों की नीति को तैयार करने तथा गैर मूल्य सिफारिशों में सहायक हो सके।

भाग – V सांख्यिकीय ऑकड़े

1. क्षेत्र

('000 हैक्टेयर)

फसलें	2010–2011	2011–2012	2012–2013 (लक्ष्य)
i) कुल अनाज			
खरीफ अनाज			
चावल (क) शरतकालीन			
(ख) शीतकालीन			
(ग) ग्रीष्मकालीन			
ज्वार			
बाजरा			
जौ			
रागी			
अन्य			
ii) कुल दलहन			
खरीफ दलहन			
तूर			
मूंग (कुल)			
खरीफ			
रबी			
उड़द(कुल)			
खरीफ			
रबी			
अन्य			
iii) कुल तिलहन			
खरीफ तिलहन			
मूंगफली			
सोयाबीन (कुल)			
–पीला			
–काला			
सूरजमुखी बीज			
तिल			
तिल्लीबीज			
अन्य			
iv) कपास (किस्म–वार) – बी टी कपास के लिए अलग से			
v) अन्य खरीफ फसलें			
(फसलों का उल्लेख करें)			

2. उत्पादन

('000 टन)

फसलें	2010–2011	2011–2012	2012–2013 (लक्ष्य)
i) कुल अनाज			
खरीफ अनाज			
चावल (क) शरतकालीन			
(ख) शीतकालीन			
(ग) ग्रीष्मकालीन			
ज्वार			
बाजरा			
जौ			
रागी			
अन्य			
ii) कुल दलहन			
खरीफ दलहन			
तूर			
मूंग (कुल)			
खरीफ			
रबी			
उड़द(कुल)			
खरीफ			
रबी			
अन्य			
iii) कुल तिलहन			
खरीफ तिलहन			
मूंगफली			
सोयाबीन (कुल)			
–पीला			
–काला			
सूरजमुखी बीज			
तिल			
तिल्लीबीज			
अन्य			
iv) कपास (किस्म–वार) – बी टी कपास के लिए अलग से			
v) अन्य खरीफ फसलें			
(फसलों का उल्लेख करें)			

3. उपज

(किलोग्राम प्रति हैक्टेयर)

फसलें	2010–2011	2011–2012	2012–2013 (लक्ष्य)
i) कुल अनाज			
खरीफ अनाज			
चावल (क) शरतकालीन			
(ख) शीतकालीन			
(ग) ग्रीष्मकालीन			
ज्वार			
बाजरा			
जौ			
रागी			
अन्य			
ii) कुल दलहन			
खरीफ दलहन			
तूर			
मूंग (कुल)			
खरीफ			
रबी			
उड़द(कुल)			
खरीफ			
रबी			
अन्य			
iii) कुल तिलहन			
खरीफ तिलहन			
मूंगफली			
सोयाबीन (कुल)			
–पीला			
–काला			
सूरजमुखी बीज			
तिल			
तिल्लीबीज			
अन्य			
iv) कपास (किस्म–वार) – बी टी कपास के लिए अलग से			
v) अन्य खरीफ फसलें			
(फसलों का उल्लेख करें)			

4. भूमि उपयोग वर्गीकरण तथा सिंचित क्षेत्र

('000 हैक्टेयर)

फसलें	2008–09	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13 (लक्ष्य)
1. (i) सकल फसल क्षेत्रफल					
(ii) शुद्ध फसल क्षेत्रफल					
(iii) फसल क्षेत्रफल (खरीफ फसल)					
(iv) फसल क्षेत्रफल (रबी फसल)					
11. (i) सकल सिंचित क्षेत्र					
(ii) शुद्ध सिंचित क्षेत्र					
(iii) सकल सिंचित क्षेत्र (फसल–वार)					
क) अनाज					
ख) दलहन					
ग) तिलहन					
घ) रेशे					
ड़) अन्य					
(iv) सिंचित क्षेत्र (खरीफ फसल)					
(v) सिंचित क्षेत्र (रबी फसल)					

5. उच्च उपज/संकर किस्मों के अंतर्गत् क्षेत्र

('000 हैक्टेयर में)

फसलें	2008–09	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13(लक्ष्य)
(i) खरीफ (फसल–वार)					
(ii) रबी (फसल–वार)					
(iii) कुल (1) + (11)					

6. खरीफ और रबी मौसमों के दौरान उर्वरकों की खपत

('000 टन)

फसलें	2010–11	2011–12	2012–13* (लक्ष्य)
खरीफ			
एन			
पी			
के			
कुल			
रबी			
एन			
पी			
के			
कुल			
रबी और खरीफ			
एन			
पी			
के			
कुल			

*** कृपया एक वर्ष के साथ–साथ पिछले वर्ष में घटत–बढ़त का कारण भी बताएँ।**

7. प्रमाणित/बढ़िया बीजों का वितरण

(टन)

फसलें	2010–2011		2011–12		2012–13
	आवश्यकता	उपलब्धि	आवश्यकता	उपलब्धि	(आंकी गई आवश्यकता)
(i) खरीफ (फसल–वार)					
(ii) रबी (फसल–वार)					
(iii) कुल (1) + (11)					

8. बीज दरें (बी.द)/बीज प्रतिस्थापन दर (बी.प्र.द.)

बी.द : किलोग्राम/है0
बी.प्र.द : प्रतिशतता

फसलें	2010–11		2011–12		2012–13 (लक्ष्य)	
	बी.द.	बी.प्र.द.	बी.द.	बी.प्र.द.	बी.द	बी प्र.द.
खरीफ						
i)						
ii)						
iii)						
रबी						
i)						
ii)						
iii)						

* बी.प्र.द. कैसे परिकलित की गई है यह स्पष्ट करते हुए टिप्पणी दें।

9. ट्यूबवैल (निजी और सार्वजनिक)

	2010–11	2011–12	2012–13 (लक्ष्य)
i) ट्यूबवैल की संख्या			
निजी			
सार्वजनिक			
कुल			
ii) बिजली खपत (के.डब्ल्यू.एच.)			
iii) ट्यूबवैल द्वारा सिंचित क्षेत्र, ('000 हैक्टेयर)			

2012–13 मौसम की खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति पर रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

(खरीफ रिपोर्ट में मुख्य रूप से निम्नलिखित फसलें शामिल होगी : (i) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द, (ii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, तिल्लीबीज और कपास। हालॉकि नीचे प्रस्तुत प्रश्न सामान्य हैं, दलहन, तिलहन और कपास के लिए उत्तर अलग से दिए जाएं)

1. क्या वर्तमान मौसम के दौरान किसी खरीफ तिलहन, दलहन और कपास के प्राथमिक बाजार मूल्य, उनके न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे गिरे है ? यदि हॉ तो इनके ब्यौरें दे – (क) फसलों के नाम (ख) वे महीने जिनमें मूल्य, न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे गिरे (ग) उनके कारण और (घ) प्रत्येक प्रभावित राज्य में नेफेड तथा इसकी सम्बद्ध एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई।

2. क. 2011–12 के दौरान दलहन, तिलहन और कपास पर मूल्य समर्थन प्रचालन के विस्तार के लिए किए गए उपाए दर्शाएं।

ख. 2009–10, 2010–11 तथा 2011–12 के दौरान नेफेड और इसकी सम्बद्ध एजेंसियों (अलग अलग) द्वारा मूल्य समर्थन के अंतर्गत खरीदे गए दलहन, तिलहन और कपास की राज्य–वार मात्रा और कीमत तथा निपटान पर सदृश आंकड़े।

ग. पिछले तीन वर्षों के दौरान समर्थन प्रचालन करने के लिए,यदि कोई है, एक विस्तृत टिप्पणी।

घ. खरीफ मौसम के दौरान दलहनों, तिलहनों तथा कपास की अधिप्राप्ति के लिए निर्धारित अच्छी औसत किस्म के मानदंड। वर्तमान मौसम के लिए एफएक्यू विनिर्देशन के दृष्टांत, उनके कारणों सहित सूचीबद्ध करें।

3. 2009–10, 2010–11 और 2011–12 के दौरान नेफेड और इसकी सम्बद्ध एजेंसियों द्वारा (अलग अलग) दलहन, तिलहन और कपास की वाणिज्यिक खरीद की राज्य–वार मात्रा, मूल्य पट्टी और कीमत तथा उनके निपटान पर सदृश आंकड़े।

4. दलहन, तिलहन (फसल–वार) और कपास के संसाधन और ओटाई कार्यों का विवरण तथा वर्ष–वार मात्रा और कीमत बताएं। राज्य–वार निपटान की पद्धति दोनों थोक एवं खुदरा अलग–अलग।

5. नियमित बाजारों और बाजार आहातों में नेफेड और इसकी सम्बद्ध एजेंसियों द्वारा की गई खरीद पर प्रदत्त राज्य–वार कर/उपकर/ कमीशन पर आपके विचार तथा उन्हें युक्तिसंगत बनाने के बारे में आपके सुझाव।

6. कृपया नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति उपलब्ध कराएं।

7. प्रमुख उत्पादक/उपभोगकर्ता राज्यों के मुख्य बाजारों में खरीफ दलहन, तिलहन और कपास (सदृश खाद्य तेलों के साथ) प्रत्येक के माहवार थोक मूल्य निम्नलिखित रूप में दिए जाएं : (अलग–अलग जिन्सों और अलग–अलग बाजारों के लिए अलग शीट का प्रयोग करें)

राज्य/बाजार का नाम ..... मद का नाम.....

(रू0/क्विंटल)

	2007	2008	2009	2010	2011
जनवरी					
फरवरी					
मार्च					
अप्रैल					
मई					
जून					
जुलाई					
अगस्त					
सितम्बर					
अक्तूबर					
नवम्बर					
दिसम्बर					

8. क. पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान चावल(मूल और टूटा प्रतिशत बताएं), मक्का, दलहन (प्रकार/नाम का उल्लेख करें),तथा कपास के अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्यों को नीचे दिए गए प्रपत्र में दर्शाएं।

जिंस का नाम .....

(प्रति क्विंटल)

	2007	2008	2009	2010	2011
औसत अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य ($ में)					
अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों ($ में) में कोई प्रीमियम(+)/छूट(-)					
निवल अंतर्राष्ट्रीय मूल्य ($ में)					
विनिमय दर					
भारत में भाड़ा (रू0)					
बीमा प्रीमियम (रू0)					
सीआईएफ मूल्य (रू0)					
पत्तन खर्च (रू0)					
कुल उतराई लागत (रू0)					

ख. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में यें किस तरह प्रतिस्पर्द्धी हैं?

ग. चावल(मूल और टूटा प्रतिशत बताएं), मक्का, दलहन (प्रकार/नाम का उल्लेख करें), तिलहन तथा खाद्य तेल (प्रकार/नाम द्वारा) तथा कपास के संबंध में पिछले पांच वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान वैश्विक बाजार तथा मूल्यों पर विस्तृत टिप्पणी करें

9 बीजों/दलहनों की खरीद से लेकर तैयार उत्पादों के वितरण तक थोक और खुदरा स्तरों पर प्रत्येक तिलहन और दलहन की संसाधन लागतों का ब्यौरा दें।

10. 2010–11 और 2011–12 के दौरान दलहन, तिलहन और खाद्य तेलों के कुल आयात और ऐसे आयात की भू–लागत। इसके अतिरिक्त तीन वर्षों के अलग से नेफेड द्वारा किए गए आयात की मात्रा और कीमत बताएँ।

11. 2010–11 और 2011–12 के दौरान दलहन, तिलहन और खाद्य तेलों के निर्यात की कुल मात्रा और कीमत बताएँ और नेफेड द्वारा किए गए निर्यात, यदि कोई हों, का अलग से उल्लेख करें।

12. 2011–12 के दौरान खाद्य तेलों/तिलहनों के मूल्यों पर टैरिफ दर में कटौती का प्रभाव।

13. चालू मौसम के दौरान विभिन्न खरीफ दलहनों, तिलहनों और कपास के लिए सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य के स्तर के संबंध में आपके विचार तथा आगामी मौसम के लिए आपके सुझाव। कृपया वह मानदंड भी सूचित करें जिस पर आपके सुझाव आधारित हैं।

14. वर्तमान मूल्यों पर और खेती के अंतर्गत क्षेत्र को लाने के लिए किसानों पर पड़ने वाले तिलहन और दलहन के फ्यूचर्स (मूल्यों) के प्रभाव पर विवेचनात्मक टिप्पणी। यह मूल्यों की पूर्व सूचना में कितनी मदद करते हैं।

15. 2012–13 के लिए खरीफ रिपोर्ट के संबंध में कोई अन्य सूचना जिसे नेफेड, कृषि लागत और मूल्य आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

एन एफ एस एम–ख0
टी एम ओ पी/आई एस ओ पी ओ एम – ख0
वी वी ओ एफ निदे0

2012–13 मौसम की खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति पर रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

खरीफ रिपोर्ट में मुख्य रूप से निम्नलिखित फसलें शामिल होगी : (i) अनाज : धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी (ii) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द, (iii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, तिल्लीबीज (iv) कपास (v) वी एफ सी तम्बाकू। अतः प्रश्नावली के उत्तर में इन प्रत्येक फसलों के संबंध में सूचना शामिल की जाए।

1. 2010–2011, 2011–12 के दौरान खरीफ तिलहन और दलहन के निष्पादन पर एक विवेचनात्मक टिप्पणी तथा 2012–13 मौसम के निर्धारित लक्ष्य।

2. तिलहन, दलहन, तेल पाम और मक्का (आई एस ओ पी ओ एम) की समेकित योजना, दलहनों के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और टी एम ओ पी के अधीन अन्य योजनाओं के कार्य की अद्यतन स्थिति, दसवीं योजना और ग्यारहवीं योजना के दौरान उपलब्धियॉ ।

3. 2009–2010 से 2011–12 के दौरान विभिन्न विकास कार्यक्रमों आई एस ओ पी ओ एम/एन एफ एस एम तथा टी एम ओ पी के अंतर्गत तिलहन पर सरकार द्वारा प्रदान की गई आदान सब्सिडी के स्वरूप तथा स्तर तथा 2012–13 के लिए प्रस्ताव और क्षेत्र, उत्पादन व उपज पर उनके प्रभाव।

4. देश में पिछले तीन वर्षों में दलहन और तिलहन (प्रत्येक श्रेणी में फसलवार) की घरेलू मांग और सप्लाई के बीच अनुमानित अंतर क्या है ? मॉग और सप्लाई के बीच अंतर को पूरा करने की रणनीति, और 2012–13 के लिए अनुमान।

5. तिलहन और खाद्य तेल के आयात और निर्यात के लिए वर्तमान नीतियॉ और मार्ग दर्शक सिद्धांत क्या है ? इसके अतिरिक्त 2009–10 से 2011–12 के दौरान प्रत्येक दलहन, तिलहन और खाद्य तेल के आयात और निर्यात की मात्रा और कीमत दें। निर्यात के लिए प्रोत्साहनों और आयात पर पड़े शुल्क संरचना में नवीनतम परिवर्तन के प्रभाव पर एक टिप्पणी प्रस्तुत करें।

6. तेल पाम खेती कार्यक्रम पर एक स्थिति संबंधी टिप्पणी।

7. दसवीं और ग्यारवीं योजना के प्रथम तीन वर्षों के संदर्भ में उपलब्धियों का विशेष उल्लेख करते हुए मक्का प्रौद्योगिकी मिशन के राज्यवार कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति।

8. संविदा खेती, राज्य फसल और किसानों के हित की रक्षा के लिए अपेक्षित संगठन–वार उपायों पर एक अद्यतन टिप्पणी। बनाए हुए ''मसौदा –संविदा प्रपत्र'' की एक प्रति, यदि कोई हो,

9. कृपया खरीफ दलहन और तिलहन के संबंध में दसवीं योजना और इसकी वार्षिक योजनाओं (वर्ष–वार) तथा ग्यारहवीं योजना और इसकी वार्षिक योजनाओं की उपलब्धियों के स्तर पर आपकी टिप्पणियां और कमी के कारण में आवंटन और व्यय तथा वास्तविक लक्ष्य और उपलब्धियों के बारें में राज्य–वार सूचना दें।

10. आई सी ए आर के शोध कार्यक्रम के साथ टी एम ओ पी/ आई एस ओ पी ओ एम/एन एफ एस एम की विकास गतिविधियों को समन्वित करने के लिए रचना तंत्र। कार्य निष्पादन पर एक विवेचनात्मक टिप्पणी।

11. 2012–12 के लिए खरीफ मूल्य नीति और गैर–मूल्य सिफारिशों के संदर्भ में कोई सुझाव जिसे टी एम ओ पी/आई एस ओ पी ओ एम/ एन एफ एस एम/वी वी ओ एफ निदेशालय इस आयोग के ध्यान में लाना चाहे।

2012–13 मौसम की खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति पर रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

(खरीफ रिपोर्ट में मुख्य रूप से निम्नलिखित फसलें शामिल होगी : (i) अनाज : धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी (ii) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द, (iii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, तिल्लीबीज (iv) कपास (v) वी एफ सी तम्बाकू। अतः प्रश्नावली के उत्तर में इन प्रत्येक फसलों के संबंध में सूचना शामिल की जाए।

1. उपर्युक्त सूचीबद्ध फसलों में प्रत्येक से उपज और लाभ बढ़ाने की प्रौद्योगिकी के संबंध में एक अद्यतन ब्यौरा। केन्द्रीय/राज्य सरकारों के माध्यम से इन प्रौद्योगिकियों को किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए उठाए जा रहे कदम। विभिन्न राज्यों में शुरू की गई गतिविधियों का ब्यौरा।

2. चालू खरीफ मौसम तक वर्षा युक्त खेती प्रौद्योगिकी में कोई सफलता ?

3. उपलब्ध प्रौद्योगिकी और किसानों द्वारा वास्तविक रूप से अपनाई गई प्रौद्योगिकी के बीच क्षेत्र/राज्य तथा फसल विशिष्ट अन्तर तथा इन अन्तरों को कम करने या उन्हे समाप्त करने के लिए किए जा रहे प्रयास बताएं। कृपया संभावित उपज और सम्मुख प्रदर्शन उपजों के फसल–वार ऑकड़े उपलब्ध कराए। क्या विभिन्न खरीफ फसलों के प्रजनक बीजों को उपलब्ध कराने में कोई बाधाएं रही है ?

4. विभिन्न फसलों के ट्रांसजेनिक बीजों के विकास की स्थिति। ऐसी फसलों की खेती में सुरक्षा मार्गदशक सिद्धान्तों को लागू करने की व्यवहार्यता पर अपने विचार बताएँ।

5. क्या टी एम ओ पी/आई एस ओ पी ओ एम/ एन एफ एस एम और कपास पर प्रौद्योगिकी मिशन के उद्देश्य के साथ अनुसंधान/विकास प्रयासों को समन्वित करने के लिए कोई प्रभावी तंत्र हैं ?

6. प्रौद्योगिकी विकास की दिशा में उपाय और विकीर्ण

(क) फसल विविधीकरण सहित कृषि विविधीकरण।

(ख) अन्य मूल्य सवंर्द्धित फसलें और

(ग) अन्तर–फसल

(घ) फार्म मशीनीकरण

7. (क) बाजार प्रेरक अनुसंधान (ख) स्वास्थ्य और पादप स्वास्थ्य (एस पी एस) के अनुसंधान तथा विकास मुद्दों पर ध्यान देने के लिए किए गए उपायों और की गई प्रगति का ब्यौरा दें।

8. (क) क्षेत्र स्तरीय विस्तार सेवाओं के कार्यक्रमों, फार्म/प्लाट्स में प्रदर्शन, संगोष्ठियों एवं प्रदर्शनियों, उपर्युक्त सूचीबद्ध प्रत्येक फसल की उपज और आय बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी को

लोकप्रिय बनाने और अपनाने के लिए प्रिंट और इलैक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से प्रचार के ब्यौरें दें। पिछले तीन वर्षों के दौरान महसूस किए गए गतिरोध, यदि कोई हो, की प्रगति पर एक टिप्पणी ?

(ख) विस्तार सेवाएं मजबूत करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रगति पुनर्जीवन हेतु किन उपायों पर विचार किया गया है।

2012–13 मौसम की खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति पर रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

1. पिछले पांच वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान (क) चावल (ख) गेहूँ और गेहूँ उत्पादों, (ग) मोटे अनाजों(फसल–वार) (घ) दलहनों (दाल–वार), तिलहनों (फसल–वार) और खाद्य तेल (तेल–वार), (ड.) कपास (च) कपास वस्त्र (छ) वी एफ सी तम्बाकू के आयातों और निर्यातों की मात्रा और कीमत बताएँ। जिन्स वार आयात निर्यात की इकाई लागत भी बताएं।

2. पिछले पांच वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान चावल (मूल और टूटे हुए की प्रतिशतता बताएं) मक्का, दलहन (प्रकार/नाम बताएँ), तिलहन और खाद्य तेल तथा कपास के अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य नीचे दिए गए प्रपत्र में दें।

जिंस का नाम .....

(प्रति क्विंटल)

	2007	2008	2009	2010	2011
औसत अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य ($ में)					
अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों ($ में) में कोई प्रीमियम(+)/छूट(-)					
निवल अंतर्राष्ट्रीय मूल्य ($ में)					
विनिमय दर					
भारत में भाड़ा (रू0)					
बीमा प्रीमियम (रू0)					
सीआईएफ मूल्य (रू0)					
पत्तन खर्च (रू0)					
कुल उतराई लागत (रू0)					

ख. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में यें किस तरह प्रतिस्पर्द्धी हैं?

ग. चावल, मक्का, दलहन (प्रकार/नाम का उल्लेख करें),तथा कपास के संबंध में पिछले पांच वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान वैश्विक बाजार तथा मूल्यों का ब्यौरा दें।

3. चालू टैरिफ प्रवृत्ति और टैरिफ दर कोटा तथा खाघान्नों, दलहनों और खाद्य तेलों के आयात को नियंत्रित करने वाली टैरिफ कीमतें। कृपया विभिन्न जिसों के लिए उन प्रभावी तारीखों को बताएँ जबसे चालू टैरिफ लागू हैं और चालू वर्ष 2011–12 में उनमें किए गए परिवर्तन।

4. विश्व मूल्यों में अत्यधिक उतार चढ़ावों के अस्थिरकारी प्रभावों से घरेलू बाजार को बचाने के लिए कृषि आयातों और निर्यातों पर मूल टैरिफ के अतिरिक्त परिवर्तनीय टैरिफ प्रारंभ करने के लिए कदम, यदि कोई हो, जिन पर विचार किया जा रहा हो। इसके अतिरिक्त आयातों में किसी अवांछनीय वृद्धि को रोकने के लिए सुरक्षात्मक उपाय प्रारंभ करने हेतु, कोई तंत्र विकसित किया गया है ?

5. उत्पादन सीमित करने वाले कार्यक्रमों के अधीन सीधे भुगतान सहित कृषि सब्सिडी की मात्रा और जापान, यूरोपीय संघ और यू एस ए में 2001 के बाद से दी गई आय सहायता, जैसा कि इन देशों द्वारा डब्ल्यू टी ओ से नवीनतम निवेदन किया गया है, पर अद्यतन ब्यौरा।

6. निर्यात सब्सिडियों/कर छूटों सहित, यदि कोई हों, वर्तमान परिदृश्य में कृषि निर्यात को आगे बढ़ाने के लिए उठाए गए/विचारित कदम, यदि कोई हों।

7. व्यवस्था, पैकेजिंग, भण्डारण क्षमताओं और निर्यात के लिए बन्दरगाहों को परिवहन सब्सिडी में सुधारों द्वारा निर्यात प्रतिस्पर्द्धात्मकता बढ़ाने के लिए किए गए गुणवत्ता नियन्त्रण उपायों की वर्तमान स्थिति।

8. कृपया कृषि निर्यात अंचलों की निष्पादन स्थिति पर एक टिप्पणी प्रस्तुत करें।

9. कृपया कृषि संबंधी डब्ल्यू टी ओ करार पर किए जा रहे समझौतों की स्थिति पर एक टिप्पणी प्रस्तुत करें।

10. कृषि जिन्सों के आयात हेतु अपनाए गए/प्रस्तावित गुणवत्ता नियंत्रण उपाय जिन्स वार अलग रूप से बताएं।

11.क. कृषिगत उत्पादन/उपज के खुदरा व्यापार में एफ डी आई को अनुमत करने के बारें में राज्य के विचार तथा किसानों की मांग पर इसके प्रभाव।

ख. कृपया जैव कृषि जिंसों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अपने विचार बताएं तथा इस संबंध में लिए गए/प्रस्तावित कदमों का उल्लेख करें।

12. कोई अन्य सूचना जो मंत्रालय आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

2012–13 मौसम की खरीफ फसलों की मूल्य नीति रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

(खरीफ रिपोर्ट में मुख्य रूप से निम्नलिखित फसलें शामिल होगीं : (i) अनाज : धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी (ii) दलहन : तूर (अरहर), मूंग, उड़द, (iii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, तिल्लीबीज (iv) कपास (v) वी एफ सी तम्बाकू। अतः प्रश्नावली के उत्तर में इन प्रत्येक फसलों के संबंध में सूचना शामिल की जाए। तथापि, आयोग प्रश्नों के जवाब में शामिल नहीं की गई किसी भी सूचना का स्वागत करेगा)

1. देश से खाद्यान्नों तथा अन्य कृषि जिसों के निर्यात के संबंध में वर्तमान नीतियॉ और मार्गदर्शक सिद्धान्त।

2. कृषि जिंसो के निर्यात बढ़ाने के लिए ए पी ई डी ए की गतिविधियों का अद्यतन ब्यौरा।

3. पिछले पांच वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान चावल (मूल और टूटा प्रतिशत बताएं), मक्का, दलहन (प्रकार/नाम का उल्लेख करें),तथा खाद्य तेलों का प्रकार/नाम विशेष आदि के अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य नीचे दिए गए प्रपत्र में दें।

जिंस का नाम .....

(प्रति क्विंटल)

	2007	2008	2009	2010	2011
औसत अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य ($ में)					
अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों ($ में) में कोई प्रीमियम(+)/छूट(-)					
निवल अंतर्राष्ट्रीय मूल्य ($ में)					
विनिमय दर					
भारत में भाड़ा (रू0)					
बीमा प्रीमियम (रू0)					
सीआईएफ मूल्य (रू0)					
पत्तन खर्च (रू0)					
कुल उतराई लागत (रू0)					

ख. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में यें किस तरह प्रतिस्पर्द्धी हैं?

ग. चावल, मक्का, दलहन (प्रकार/नाम का उल्लेख करें),तथा कपास के संबंध में पिछले पांच वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान वैश्विक बाजार तथा मूल्यों का ब्यौरा दें।

4. मूल्य प्रतिस्पर्द्धात्मकता से भिन्न, भारतीय कृषि आधारित जिंसो का निर्यात बढ़ाने में प्रमुख बाधाएॅ क्या हैं ? कृपया पश्च–डब्ल्यू टी ओ दायित्वों पर फोकस तथा उन्हें पूरा करने में कठिनाईयां ?

5. मूंगफली और तिल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों, गुणवत्ता नियंत्रण और एस पी एस जरूरतों को पूरा करने की प्रगति।

6. निर्यात बढ़ाने में निर्यातकों की सहायता के लिए उपलब्ध कराई गई परिवहन सब्सिडी, प्रमाणन प्रक्रिया इत्यादि का विवरण।

7. किसान को लाभ पहुँचाने के लिए उनके उत्पाद के निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपाय ?

8. ऊंची कीमत वसूल करने के लिए उपर्युक्त सूचीबद्ध फसलों की गुणवत्ता उन्नयन के बारें में भा0कृ0अनु0प0, कृषि विश्वविद्यालयों इत्यादि के साथ संबंधों का ब्यौरा दें।

9. कृपया जैव कृषि के निर्यात को बढ़ाने के लिए अपने विचार व्यक्त करें तथा ऐसे निर्यात के प्रमाणन के लिए ए पी ई डी ए द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया क्या है।

10. कृपया अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराएं।

11. कोई अन्य सूचना जिसे ए पी ई डी ए आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

2012–13 मौसम की खरीफ फसलों की मूल्य नीति रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

1. विभिन्न राज्यों में अच्छी औसत किस्म प्रतिमानकों की तुलना में चालू विपणन मौसम के दौरान बाजार में खरीफ खाद्यान्नों की आमदों की गुणवत्ता रूपरेखा दें। क्या किसी राज्य द्वारा अच्छी औसत किस्म विनिर्देशन की छूट मांगी गई या किसी राज्य को दी गई ? कृपया उसके कारणों सहित राज्य वार ब्यौरा दें।

2. पिछले तीन खरीफ मौसमों के दौरान भारतीय खाद्य निगम, राज्य और अन्य एजेंसियों द्वारा प्रत्येक राज्य में खोले गए अधिप्राप्ति केन्द्रों की संख्या। कृपया अलग से मोटे अनाजों की खरीद के लिए नामोदिष्ट केन्द्रों और उनके द्वारा खरीदी गई मात्रा दर्शाएं। क्या अधिप्राप्ति केन्द्र समुचित पर्याप्त हैं। ब्यौरा दें।

3. निम्नलिखित उप–शीर्षो के अंतर्गत 2009–10, 2010–11, 2011–112 के दौरान और 2012–13 के लिए अनुमानित चावल और गेहूँ की लागत का अलग से (प्रति क्विंटल) मद–वार विस्तृत ब्यौरा दें :–

(क) अनाज की इक्कठी लागत,
(ख) आकस्मिक अधिप्राप्ति
(ग) पश्च अधिप्राप्ति लागतें,
(घ) आर्थिक लागतें ; और
(ड.) बफर स्टॉक को ले जाने की लागतें।

4. केन्द्रीय पूल में भंडारों की आयु रूपरेखा सहित पूरे देश में खाद्यान्न भण्डारण स्थिति का एक विहंगम अवलोकन।

5. पिछले तीन वर्षों के दौरान भंडारण सुविधा की कमी के कारण गेहूँ/धान की टूटे/नष्ट हुई मात्रा का ब्यौरा राज्यवार प्रस्तुत करें। भविष्य में ऐसी हानि को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

6. पिछले तीन वर्षों के अनाजों की अधिप्राप्ति के लिए विभिन्न राज्यों में भारतीय खाद्य निगम द्वारा भुगतान किए गए राज्य–वार बाजार/मण्डी शुल्क, क्रय कर, आढ़तियों का कमीशन, उपकर इत्यादि बताएं। (i) प्रति क्विंटल दरें और (ii) प्रत्येक राज्य के लिए कुल बताएं।

7. मुक्त बाजार बिक्री योजना के अंतर्गत जारी की गई/जारी करने के लिए प्रस्तावित गेहूँ और चावल की राज्य–वार और माह–वार मात्रा बताएं तथा 2009–10, 2010–11 और 2011–12 के दौरान केन्द्रीय जारी मूल्य जिन पर आबंटित की गई।

8. कृपया 2009–10, 2010–11 और 2011–12 के लिए भारतीय खाद्य निगम के स्टॉक से निर्यात हेतु जारी किए गए चावल, गेहूँ, मोटे अनाजों की मात्रा तथा 2012–13 के लिए संभावनाएँ व सदृश इकाई मूल्य वसूली।

9. विपणन वर्ष 2011–12 के दौरान चावल और मोटे अनाजों (जिन्स–वार) की राज्य–वार अधिप्राप्ति।

10. कृपया 2009–10, 2010–11 और 2011–12 के दौरान लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टी पी डी एस) के अंतर्गत गेहूँ और चावल का राज्य–वार आवंटन और कुल खरीद अलग अलग निम्नलिखित के लिए बताएं (i) गरीबी रेखा से नीचे की जनसंख्या (ii) गरीबी रेखा से उपर की जनसंख्या और (iii) अन्य कल्याणकारी योजनाएं (प्रत्येक योजना के लिए अलग से) तथा सदृश केन्द्रीय जारी मूल्य।

11. (i) गरीबी रेखा से नीचे की जनसंख्या (ii) गरीबी रेखा से ऊपर की जनसंख्या (iii) ओ एम एस एस (डी) और ओ एम एस एस (ई) सहित अन्य योजनाओं (योजना–वार) के लिए टी पी डी एस के अंतर्गत पिछले दो वर्षों के दौरान गेहूँ और चावल (अलग से) के आबंटन में शामिल कुल ओर प्रति क्विंटल सब्सिडी।

12. एफसीआई के संबंध में पिछली सीएजी लेखा परीक्षा कब की गई। कृपया लेखा परीक्षा अवलोकनों तथा इस प्रर एफसीआई/सरकार के उत्तर बताएं।

13. कृपया अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति उपलब्ध कराएँ।

14. कोई अन्य सूचना जिसे भारतीय खाद्य निगम आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

2012–13 मौसम की खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति पर अपनी रिपोर्ट हेतु कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

1. 2010–11 और 2011–12 के दौरान टी आर आई एफ ई डी और इसकी एजेंसियों द्वारा वाणिज्यिक प्रचालन के अधीन खरीदे गई तिल और तिल्लीबीज की मात्रा और कीमत।

2. कृपया निम्नलिखित प्रपत्र में चुनिंदा प्रमुख बाजारों में तिल और तिल्लीबीज तथा उनके उत्पादों के राज्य/माह–वार थोक मूल्य बताएं :

राज्य/बाजार/जिंस का नाम .....(रू0/क्विं0)

माह	2009	2010	2011
जनवरी			
फरवरी			
मार्च			
अप्रैल			
मई			
जून			
जुलाई			
अगस्त			
सितम्बर			
अक्तूबर			
नवम्बर			
दिसम्बर			
औसत			

(कृपया अलग जिंसों और बाजारों के लिए अलग शीट का प्रयोग करें)

3. वाणिज्यिक प्रचालनों के अधीन अधिप्राप्त किए गए तिल और तिल्ली बीज की मात्रा का निपटान कैसे किया गया ? इन प्रचालनों में ट्राईफेड को क्या कोई हानि हुई है ? यदि हॉ तो इन क्षतियों को कैसे पूरा किया गया ?

4. तिल, तिल्लीबीज और उनके उत्पादों के आयातों और निर्यातों के बारें में वर्तमान नीतियां और मार्गदर्शन सिद्धांत क्या हैं ? इन मार्गदर्शनों को बनाने में लक्ष्य संबंधी मुद्दे क्या हैं ?

5. 2010–11 और 2011–12 के दौरान तिल, तिल्लीबीज और उनके उत्पादों (देश–वार) के निर्यात की मात्रा कीमत और इकाई लागत बताएँ। ऐसे निर्यातों को बढ़ाने के लिए उठाए गए या दृश्यमान ठोस कदम बताएँ।

6. कृपया 2009, 2010 और 2011 के दौरान तिल, तिल्लीबीज और उनके उत्पादों के माह–वार अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ मूल्य तथा सदृश घरेलू थोक मूल्य बताएँ।

7. कृपया अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति उपलब्ध कराएँ।

8. कोई अन्य सूचना जिसे आप 2012–13 की खरीफ रिपोर्ट के संबंध में आयोग को प्रस्तुत करना पसंद करें।

(केवल आन्ध्रप्रदेश और कर्नाटक हेतु)

वी एफ सी तम्बाकू

1. कृपया वी एफ सी तम्बाकू का क्षेत्र, उत्पादन और उपज दर्शाएं।

(सिं–सिंचित, अ–असिंचित, स–संयुक्त)

	2010–11			2011–12			2012–13 (लक्ष्य)		
	सिं	अ	स	सिं	अ	स	सिं	अ	स
(i) क्षेत्र									
(ii) उत्पादन									
(iii) उपज प्रति हैक्टेयर									

2. पिछले वर्ष के साथ इसकी तुलना करते हुए, चालू मौसम के दौरान मौसम परिस्थितियों और इसके तम्बाकू फसल पर प्रभाव का ब्यौरा प्रस्तुत करें।

3. (i) 2009–10 से 2011–12 के दौरान वी एफ सी तम्बाकू के कुल उतपादन का ग्रेड–वार वितरण। यदि ग्रेड–वार उत्पादन उपलब्ध नहीं है तो कृपया नीलामी बिक्री के रूप में सूचना दी जाए।

(ii) कृपया पिछले तीन मौसमों के दौरान अनाधिकृत वी एफ सी तम्बाकू की फसल का आकार बताएँ। क्या फसल आकार की जॉच करने की आवश्यकता है ? अनधिकृत उत्पादन पर नियंत्रण के लिए उठााए गए कदम तथा इसके परिणाम बताएं?

(iii) कृपया नवीनतम तीन मौसमों के किसानों द्वारा वसूल किए गए वी एफ सी तम्बाकू विभिन्न ग्रेडों हेतु मूल्य बताएं।

(iv) नवीनतम तीन मौसमों के लिए मूल्य की भारित औसत वसूली तथा तीव्र उतार–चढ़ाव, यदि कोई हों, के कारण भी बताएँ।

4. कृपया पिछले तीन मौसमों के दौरान (क) गुणवत्ता में सुधार और (ख) विभिन्न जिलों में वी एफ सी तम्बाकू की प्रति हैक्टेयर उपज बढ़ाने के लिए किए गए विशेष उपायों और प्राप्त हुए परिणाम बताएँ।

5. पिछले तीन वर्षों के लिए फार्म स्तर पर फार्म ग्रेड स्तर से संसाधित एगमार्क ग्रेडों तक खेती लागत, उपचार करना, संसाधन इत्यादि की लागत का मद–वार ब्यौरा दें।

6.क. वी एफ सी तम्बाकू के संबंध में पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष के दौरान मूल्य प्रवृत्तियॉ। नवीनतम 3 वर्षों के दौरान राज्य के महत्वपूर्ण बाजारों में वी एफ सी तम्बाकू के विभिन्न फार्म ग्रेडों और संयंत्र स्थिति ग्रेड़ों के मासांत थोक मूल्य बताएँ और साथ ही संबंधित न्यूनतम समर्थन मूल्य/न्यूनतम प्रत्याभूत मूल्य भी सूचित करें।

ख. इस अवधि के दौरान वीएफसी तम्बाकू (भारतीय वीएफसी तम्बाकू के तुलनात्मक ग्रेड) के अंतर्राष्ट्रीय मूल्य दें।

7. कृपया आपके राज्य में तम्बाकू क्षेत्र को अन्य वैकल्पिक आर्थिक रूप से जीवनश्रम फसलों से तम्बाकू क्षेत्र को बदलने के लिए सरकार/तम्बाकू बोर्ड/ अन्य एजेंसियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करें। क्या क्षेत्र में वी एफ सी तम्बाकू से अन्य फसलों की दिशा में या इसके विपरीत कोई बदलाव हुआ है ? कृपया तम्बाकू उत्पादक जिलों में फसल पैटर्न में आए परिवर्तनों के पिछले पॉच वर्षों के लिए आंकड़े देकर साबित करें।

8. कृपया 2008–09 से 2011–12 के दौरान वी एफ सी तम्बाकू के मामले में किए गए मूल्य समर्थन कार्यों, यदि कोई हों, के ब्यौरें निम्नलिखित प्रपत्र में दें।

वर्ष	ग्रेड/किस्म	खरीदी गई मात्रा	किस मूल्य पर खरीद की गई
2008–09			
2009–10			
2010–11			
2011–12 (अभी तक)			

9. कृपया जिले–वार नीलामी प्लेटफार्मों की संख्या, नीलाम की गई मात्रा (ग्रेडों सहित) और प्रत्येक ग्रेड के लिए वसूल किए गए मूल्य बताएँ। क्या इसमें प्लेटफार्मों की संख्या बढ़ाने की कोई आवश्यकता है ? क्या इसमें नीलामी पर अधिक तम्बाकू की बिक्री अनुमत करने के लिए कोई प्रस्ताव है और इस प्रस्ताव के पीछे क्या मूलाधार है ?

10. वर्ष 2012–13 फसल के लिए वी एफ सी तम्बाकू के एल2 और एफ 2 ग्रेडों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों के स्तर पर राज्य के विचारं, यदि कोई हों, बताए ।

11. वी एफ सी तम्बाकू के विभिन्न फार्म और संयंत्र स्थिति ग्रेडों के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में ग्रेड विभेदकों पर आपके विचार।

12. कृपया फार्मों और निकटतम मण्डी/बाजार के बीच मॉडल औसत दूरी बताएं, शामिल औसत दूरी में गांव से बाहर सीमित मण्डियों सहित।

13. क. कृपया किसानों द्वारा अपने उत्पाद विक्रय करने में निकटतम मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों तक उठाए गए प्रति क्विंटल/प्रति किलोमीटर, फसल–वार, औसत परिवहन लागत बताएं।

ख. कृपया मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों में अपने उत्पाद विक्रय करते समय किसान द्वारा प्रदत्त, विपणन प्रभार प्रति क्विंटल –फसल वार बताएं।

14. क. कृपया तम्बाकू के लिए आपके राज्य में संचालित की जा रही फसल बीमा योजना पर किसान द्वारा प्रति हैक्टेयर वहन की जा रही बीमा प्रीमियम पर व्यय बताएं।

ख. क्या ऋणी किसानों के लिए फसल बीमा अनिवार्य है ? क्या गैर–ऋणी किसान भी योजना में शामिल है ?

ग. क्या फसल बीमा योजना उन किसानों तक विस्तार की गई हे जो स्वामी कृषक नहीं है परन्तु उन्होनें खेती प्रयोजन के लिए भूमि पट्टे पर ली है।

घ. क्या किसान प्राकृतिक आपदाओं/पेस्ट हमलों इत्यादि से होने वाले दोनों फसल और आय के नुकसान के विरूद्व अपनी फसल का बीमा कराने में समस्याओं का सामना करते हैं।

ड. क्या बीमा कवरेज किसान विशिष्ट है, और यदि नहीं, तो प्रचलित बीमा योजना के अंतर्गत उत्पादन नुकसान को शामिल करने में क्या प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

च. क्या बीमा योजना किसानों की सभी श्रेणियों या विशिष्ट श्रेणी को कवर करती है, ब्यौरा दें।

छ. राज्य में किसान के बीच फसल बीमा के फैलाव का स्तर।

ज. फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन में मुद्दे बताएं, यदि कोई हों।

15. कोई अन्य सूचना/मुद्दा जिसे राज्य, आयोग के ध्यान में लाना चाहे और जो वी एफ सी तम्बाकू की मूल्य नीति तैयार करने में लाभकारी हो।

2012–13 मौसम की खरीफ फसलों की मूल्य नीति रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

1. पिछले एक वर्ष से लिए गए और निकट भविष्य में लिए जाने वाले संभावित नीति निर्णयों का एक सुविवेचित लेखा दें जो देश में खाद्यान्नों के प्रबंध पर दिशाकोण रखता हो। पिछले एक वर्ष के दौरान जारी की गई मूल्य निर्धारण, अधिप्राप्ति, सार्वजनिक वितरण, मुक्त बिक्री, एफ सी आई स्टाक्स का निर्यात बिक्री इत्यादि से संबंधित अधिसूचना की प्रतियां भी उपलब्ध कराएं।

2. खरीफ मौसम के दौरान धान/चावल/खरीफ मोटे अनाजों की अधिप्राप्ति के लिए निर्धारित अच्छी औसत किस्म (एफ ए क्यू) के मानदंड। इस खरीफ मौसम के दौरान एफ ए क्यू में यदि कोई ढील दिए जाने के उदाहरण हो तो कृप्या उनकी सूची दें।

3. 2010–11, 2011–12 के दौरान चावल और गेहूँ एवं उनके घटकों की अनुमानित आर्थिक लागतें और 2012–13 के लिए प्रक्षेपण।

4. देश में भंडारण स्थिति पर एक विहंगावलोकन तथा सरकार द्वारा हाल ही में घोषित भंडारण नीति। इसके कार्यान्वयन में किन कठिनाइयों का सामना किया जा रहा है।

5. क. मंत्रालय के नियंत्रण कक्ष में नवीनतम उपलब्ध सूचना के विषय में नवीनतम तीन वर्षों के लिए चावल, गेहूँ और मोटे अनाजों के राज्य–वार और माह–वार संदर्भ मूल्य।

ख. इस अवधि के दौरान इन मदों के संगत अंतर्राष्ट्रीय मूल्य भी बताएं।

6. पिछले तीन वर्षों के लिए लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (बी पी एल, ए पी एल), विभिन्न कल्याणकारी/राहत योजनाओं (अर्थात अन्नपूर्णा, अन्तोद्य योजना, काम के बदले भोजन कार्यक्रम) के अंतर्गत चावल और गेहूँ राज्य–वार आवंटन एवं कुल खरीद। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवंटन और कुल खरीद के बीच बड़े अन्तरों के लिए राज्य–विशिष्ट कारण भी स्पष्ट करें।

7. मुक्त बाजार बिक्री योजना के अंतर्गत निर्मुक्त गेहूँ और चावल की राज्य–वार, माह–वार मात्रा और वह केन्द्रीय जारी मूल्य (सी आई पी) जिस पर पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्मुक्त किए गए।

8. 2010–11, 2011–12 के दौरान केन्द्रीय पूल से निर्यात हेतु निर्मुक्त चावल, गेहूँ, मोटे अनाजों की मात्रा और उनके सदृश सी आई पी के साथ 2012–2013 हेतु संभावनाएं।

9. कृपया प्रत्येक राज्य के लिए स्थानीय लेवी प्रति क्विंटल दर और कुल की सूची दें।

10. अनुमत लागतों के मद–वार ब्यौरे सहित, 2010–11 और 2011–12 मौसमों के लिए निर्धारित चावल (कच्चा एवं सेला) के राज्य वार लेवी मूल्य।

11. 2010–11 और 2011–12 मौसमों के दौरान अनुमत कस्टम मिल्ड चावल की लागत का राज्य–वार ब्यौरा।

12. पिछले तीन वर्षों के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत चावल और गेहूँ के वितरण में सम्मिलित कुल एवं प्रति क्विंटल सब्सिडी तथा उत्तरी पूर्वी राज्यों के लिए अलग से भी।

13. देश में दलहन और खाद्य तेलों की अनुमानित वार्षिक मांग ? मांग एवं आपूर्ति के बीच अन्तर को पूरा करने के लिए रणनीति।

14. खाद्यान्नों, दलहनों, तिलहनों और खाद्य तेलों के आयात को नियंत्रित करने के लिए, टैरिफ दर कोटाज एवं टैरिफ कीमतों सहित, वर्तमान टैरिफ विधान। कृपया भिन्न जिंसो के लिए जब से टैरिफ लागू हुई प्रभावी तारीखें दर्शाएं।

15. कृपया अपने विभाग की वार्षिक रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराएं।

16. मूल्य नीति को ध्यान में रखते हुए कोई अन्य विशिष्ट सूचना जिसे विभाग आयोग के ध्यान में लाना चाहेगा।

उत्तर पूर्व राज्य

2012–13 मौसम की खरीफ फसलों की मूल्य नीति रिपोर्ट के लिए कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा अपेक्षित सूचना के लिए प्रश्नावली।

(यद्यपि खरीफ रिपोर्ट में निम्नलिखित फसलें शामिल होंगी : (i) **अनाज** : धान, ज्वार, बाजरा, जौ, रागी, (ii) दालें : तूर (अरहर), मूंग, उड़द (iii) तिलहन : मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, तिल, तिल्लीबीज आदि तथापि आयोग पूर्ण तौर पर राज्य के कृषि क्षेत्र से संबंधित तथ्यों, मुद्दों तथा सुझावों से हितबद्ध है। इसलिए प्रश्नावली में उत्तर देते समय राज्य में उगाई जाने वाली अन्य फसलों पर विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श तथा अतिरिक्त सूचनाएं भी शामिल की जाएं)

1. हाल के वर्षों में हुए ढांचागत परिवर्तन और सुधार को दर्शाते हुए, कृषि की स्थिति का एक विहंगम अवलोकन बताएं। कृपया यह भी दर्शाएं कि ये परिवर्तन, यदि कोई हैं, आपकी सरकार की किसी नीति पहल से स्पष्टतया जुड़ी हो सकती हैं।

2.(क) क्या झूम/अस्थिर खेती से स्थाई प्रकार की खेती (दोनों सूखी भूमि और तर भूमि) तक क्षेत्र में बदलाव हुआ है ? यदि ऐसा है, तो अनुमानित क्षेत्र जो ऐसे परिवर्तन के अंतर्गत आ चुका है, क्या है ?

(ख) क्या आपके राज्य में झूम खेती को नियंत्रण में रखने के लिए कोई नीति उपाय किया है।

3. (क) अपने राज्य में कृषि विस्तारण सेवाओं की स्थिति का वर्णन करें। आपके राज्य में किसानों को कृषि में उपलब्धियों, बीजों की नई किस्मों, घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य और अन्य सहायता देने वाले उपायों सूचना के प्रचार हेतु अन्य विद्यमान तंत्र क्या है ?

(ख) सरकारी निकायों और परम्परागत संस्थाओं के बीच जालसाजी संपूरकता से कृषि विस्तार सेवाओं को बढ़ाने और गहरा करने के लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष रूप से प्रारंभ किए गए कदम यदि कोई हों, का उल्लेख करें।

4. क्या राज्य सरकार ने चालू मौसम के दौरान किसी फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कोई बोनस घोषित किया है ? यदि ऐसा है तो (i) फसल वार बोनस दरें और (ii) बोनस देने के कारण बताएं।

5. (क) आपके राज्य में कृषि उत्पाद के लिए बाजार आधारिक संरचना की स्थिति कैसी है ? कृपया इसे सुधारने के लिए राज्य सरकार की अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं का वितरण करें।

(ख) उत्पादन और बिक्री योग्य अधिशेष पर नए शहरीकृत केन्द्रों में आवधिक बाजार से स्थाई बाजार प्रणाली तक बदलाव के प्रभाव बताएं।

(ग) बाजार लिकेजिंग के विस्तार में मध्यम आदमियों की भूमिका क्या है ?

6. अपने राज्य में प्रत्येक प्रमुख फसलों के लिए बीज दर बीज, प्रतिस्थापन दर, कुल बीज आवश्यकता और आवश्यकता की तुलना में प्रमाणित बीजों की उपलब्धता बताएं। क्या ये समय पर उपलब्ध हैं ?

7.(क) जैव–उर्वरकों, कम्पोस्ट एवं हरी खाद के प्रयोग में क्या प्रवृत्तियां हैं ? कृप्या इसके उत्पादन और प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम बताए जाएं।

(ख) जैविक खेती तथा इसका प्रमाणन प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए कदमों के ब्यौरे भी दें।

8. आपके राज्य में अन्नपूर्णा योजना, अन्तोदय, काम के लिए भोजन कार्यक्रम जैसी बी पी एल, ए पी एल और अन्य कल्याणकारी/राहत योजनाओं के अंतर्गत केन्द्रीय पूल से चावल/गेहूँ / मोटे अनाजों का आवंटन और कुल खरीद। आपके राज्य में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवंटन और कुल खरीद के बीच विद्यमान बड़े अन्तर के कारण भी स्पष्ट करें।

9. आपके राज्य में 2009–10, 2010–11 और 2011–12 के दौरान कम से कम पॉच बाजारों के संबंध में चावल, मोटे अनाजों, दलहन और तिलहन/खाद्य तेलों के थोक एवं खुदरा मूल्य बताएं।

बाजार का नाम ..... मद का नाम .....

	थोक मूल्य (रू/क्विं0)			खुदरा मूल्य (रू/क्विं0)		
	2009–10	2010–11	2011–12	2009–10	2010–11	2011–12
अक्तूबर						
नवम्बर						
दिसम्बर						
जनवरी						
फरवरी						
मार्च						
अप्रैल						
मई						
जून						
जुलाई						
अगस्त						
सितम्बर						

(अलग जिंस के लिए अलग शीट का प्रयोग करें, यदि आवश्यक हों)

10. कृपया फार्मों और निकटतम मण्डी/बाजार के बीच मॉडल औसत दूरी बताएं, शामिल औसत दूरी में गांव से बाहर स्थित मण्डियों सहित।

11. क. कृपया किसानों द्वारा अपने उत्पाद विक्रय करने में निकटतम मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों तक उठाए गए प्रति क्विंटल/प्रति किलोमीटर, फसल–वार, औसत परिवहन लागत बताएं।

ख. कृपया मण्डी/अधिप्राप्ति केन्द्रों में अपने उत्पाद विक्रय करते समय किसान द्वारा प्रदत्त, विपणन प्रभार प्रति क्विंटल –फसल वार बताएं।

12. क. कृपया आपके राज्य में संचालित की जा रही फसल बीमा योजना पर किसान द्वारा प्रति हैक्टेयर वहन की जा रही बीमा प्रीमियम पर व्यय बताएं।

ख. क्या ऋणी किसानों के लिए फसल बीमा अनिवार्य है ? क्या गैर–ऋणी किसान भी योजना में शामिल है ?

ग. क्या फसल बीमा योजना उन किसानों तक विस्तार की गई हे जो स्वामी कृषक नहीं है परन्तु उन्होनें खेती प्रयोजन के लिए भूमि पट्टे पर ली है।

घ. क्या किसान प्राकृतिक आपदाओं/पेस्ट हमलों इत्यादि से होने वाले दोनों फसल और आय के नुकसान के विरूद्व अपनी फसल का बीमा कराने में समस्याओं का सामना करते हैं।

ड. क्या बीमा कवरेज किसान विशिष्ट है, और यदि नहीं, तो प्रचलित बीमा योजना के अंतर्गत उत्पादन नुकसान को शामिल करने में क्या प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

च. क्या बीमा योजना किसानों की सभी श्रेणियों या विशिष्ट श्रेणी को कवर करती है, ब्यौरा दें।

छ. राज्य में किसान के बीच फसल बीमा के फेलाव का स्तर।

ज. फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन में मुद्दे बताएं, यदि कोई हों।

13. कोई अन्य विशिष्ट बिन्दु जिसे राज्य सरकार आयोग के समक्ष इसलिए लाना चाहे ताकि यह इसे भारत सरकार को अपनी सिफारिशों में उजागर कर सके।